CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 10 अंक : 96 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, मंगलवार 29 अप्रैल, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

पर्यटन, कला व संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक

विकास कार्यों को समय पर करें पूरा, अधिकारियों की तय हो जिम्मेदारी : सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित करने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्थान की गौरवशाली विरासत के संरक्षण के कार्य सुनिश्चित करें ताकि आने वाली पीढ़ियां हमारे इतिहास को समझें, जानें और गौरवान्वित महसूस करें। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर पर्यटन, कला, संस्कृति व पुरातत्व विभाग की बजट घोषणाओं पर आयोजित समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन से संबंधित सभी विकास कार्य तय समय पर पूरे किए जाएं। समय पर कार्य पूरा नहीं होने से लागत में वृद्धि होती है जिससे राजस्व की हानि भी होती है। लम्बित कार्यों के लिए संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाए।

जयपुर में बनाएं राज्य स्तरीय संग्रहालय

शर्मा ने पर्यटन विभाग को जयपुर में राज्य स्तरीय संग्रहालय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में राजस्थान के सभी क्षेत्रों की रियासतकालीन विरासत और बहुरंगी कला-संस्कृति को प्रदर्शित किया जाए ताकि किसी भी क्षेत्र से आने वाला आगन्तुक प्रदेश की धरोहर से रूबरू हो सके। मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शेखावाटी क्षेत्र की पुरानी हवेलियों के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाएं। हवेलियों के स्थापत्य को नुकसान न हो और आवश्यकता पड़ने पर जीर्णोद्धार के कार्य भी करवाए जाएं। इस संबंध में संबंधित जिला कलक्टरों को निर्देशित किया जाए। शर्मा ने पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक युवाओं का कौशल व रोजगार प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। शर्मा ने राजीविका, हेन्डीक्राफ्ट, ज्वैलरी, ब्लॉक प्रिन्टिंग के समुचित प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर के कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि इसे प्रमुख धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए और पर्यटकों को विश्व स्तरीय सुविधाएं व सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। शर्मा ने पूंछरी का लौठा के विकास कार्यो में भी गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने प्रदेश के बाहर स्थित मंदिरों के जीर्णोद्धार के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की जनसुनवाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने आमजन की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा और ग्रामीण विकास समेत तमाम विभागों से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई की।

सीएम को प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्रतिकृति मिली भेंट

जनसुनवाई के दौरान जयपुर निवासी ने मुख्यमंत्री को एक खास भेंट दी। जनसुनवाई में मौजूद जयपुर निवासी रामसिंह राजोरिया ने सीएम भजनलाल शर्मा को चावल के एक दाने पर उकेरी गई प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री ने राजोरिया की माइक्रो आर्ट की सराहना की। साथ ही उनके कार्य को अद्भुत प्रतिभा का उदाहरण भी बताया। इसके अलावा राजोरिया ने सूक्ष्मतम हस्तलिखित भगवद्गीता के निर्माण के बारे में भी मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

कई मामलों का मौके पर ही किया निस्तारण

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रत्येक फरियादी की समस्या को सुनना और उसका समाधान सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरान कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई। जनसुनवाई के दौरान कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

सीएम ने ली नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा बैठक

विमानन क्षेत्र को विकसित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धः भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हवाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए राज्य सरकार ने दूरगामी निर्णय लिए हैं। इससे पर्यटन, शिक्षा व व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति मिलेगी। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध करने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट महत्वपूर्ण साबित होगा। इस एयरपोर्ट के विकास के लिए राज्य सरकार व भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के मध्य एमओयू हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ईएचवी लाइन शिफ्टिंग और आरआरवीपीएनएल की लाइन शिफ्टिंग के कार्य में तेजी लाएं।

विरासत और आधुनिक सुविधाओं का संगम होगा जयपुर स्टेट टर्मिनल

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट पर बनने जा रहे स्टेट टर्मिनल पर विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएं। इसमें ग्रीन एरिया, पार्किंग, मीटिंग हॉल आदि के संबंध में विशेष योजना बनाकर कार्य किया जाए ताकि आगंतुकों को श्रेष्ठ सुविधाएं व सेवाएं सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने कहा कि टर्मिनल की बिल्डिंग के स्थापत्य में जयपुर की विरासत की झलक मिले और आधुनिक सुविधाएं भी विकसित हो। भविष्य में आगंतुकों की संख्या व हवाई सेवाओं के अनुरूप टर्मिनल का निर्माण किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि टर्मिनल के निर्माण के लिए 12 हजार 778 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हवाई पट्टियों के

उन्नयन और मरम्मत कार्य के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने उदयपुर हवाई अड्डे के विस्तार व उत्तरलाई हवाई पट्टी पर सिविल एन्क्लेव और अप्रोच रोड के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल की क्षमता 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख यात्री प्रतिवर्ष की जा रही है। शर्मा ने प्रदेश में हवाई पट्टियों के उन्नयन और विस्तार की समीक्षा की। उन्होंने झुंझुनूं, आबू रोड़ और डूंगरपुर हवाई पट्टी के विस्तार व प्रतापगढ़ और हमीरगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफटीओ) के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने हरियाणा से सालासर और खाटूश्यामजी के लिए हवाई सुविधा और एयर एंबुलेंस सुविधा के विस्तार के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एयर एंबुलेंस की सुविधा से दूरस्थ स्थानों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी जिससे आमजन को राहत मिलेगी। शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान नागरिक उड्डयन क्षेत्र में हुए एमओयू पर हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ को सता रहा डर

भारत करेगा पाकिस्तान पर सैन्य हमला

जल्द हमले की आशंका से घबराया पाक

जयपुर टाइम्स

इस्लामाबाद(एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत के सैन्य हमले के डर को कबूल कर लिया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, आसिफ ने कहा है कि भारत की तरफ से हमला तय है और यह करीब है। भारत के हमले के खतरे को देखते हुए ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान की तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि "हमने अपने सुरक्षाबलों को मजबूत करना शुरू कर दिया है, क्योंकि भारत की तरफ से हमला निश्चित है। इन हालात में कुछ कूटनीतिक फैसले लेने होंगे और यह फैसले लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने भारत की तरफ से किसी भी तरह के आक्रमण की संभावना को लेकर सरकार को जानकारी दी है। हालांकि, आसिफ ने इस मुद्दे पर ज्यादा जानकारी नहीं दी। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान हाई अलर्ट पर है और अगर हमारे अस्तित्व पर खतरा पैदा होता है, तो ही हम अपने परमाणु हथियारों के जखीरे का इस्तेमाल करेंगे। गौरतलब है कि जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना में पाकिस्तान का हाथ होने की बात सामने आई है। भारत ने कुल चार आतंकियों में से दो के पाकिस्तानी होने का खुलासा किया है। भारत ने इस घटना के मद्देनजर पाकिस्तान पर एक के बाद एक कार्रवाई जारी रखी है और सिंधु जल समझौता तोड़ने के बाद सोमवार को पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल्स से जुड़ी सामग्री को भी बैन करने का फैसला किया है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच में चीन और रूस की भागीदारी की बात की।

पूर्व हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश को पद्म भूषण पुरस्कार

नई दिल्ली(एजेंसी)। *। भारतीय टीम के पूर्व हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश को सोमवार को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पद्मश्री पुरस्कार दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह के दौरान श्रीजेश और अश्विन को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। श्रीजेश और अश्विन को यह सम्मान खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार ने 2025 के लिए पद्म पुरस्कारों की घोषणा की थी जिसमें श्रीजेश और अश्विन का नाम भी शामिल था।*

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ नई याचिका पर सुनवाई से 'सुप्रीम' इंकार

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली नई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वो 100 याचिकाओं को एंटरटेन नहीं करेंगे। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिकाकर्ता सैयद अली अकबर के वकील से कहा कि वे लंबित पांच मामलों में हस्तक्षेप आवेदन दायर करें, जिन पर अंतरिम आदेश पारित करने के लिए 5 मई को सुनवाई होगी। सीजेआई ने कहा कि आप इसे वापस ले लें, हमने 17 अप्रैल को एक आदेश पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि केवल पांच याचिकाओं पर ही सुनवाई होगी। 17 अप्रैल को पीठ ने अपने समक्ष कुल याचिकाओं में से केवल पांच पर सुनवाई करने का फैसला किया और मामले का शीर्षक रखा। 'इन री वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025'। प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी), जमीयत उलमा-ए-हिंद, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), कर्नाटक राज्य एयूक्यूएएफ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अनवर बाशा (वकील तारिक अहमद की ओर से प्रतिनिधित्व), कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद सहित लगभग 72 याचिकाएं कानून के खिलाफ दायर की गई थीं। तीन वकीलों को नोडल वकील नियुक्त करते हुए, पीठ ने वकीलों से आपस में तय करने को कहा कि कौन बहस करने जा रहा है। याचिकाकर्ताओं को सरकार के जवाब की सेवा के पांच दिनों के भीतर केंद्र के जवाब पर अपने जवाब दाखिल करने की अनुमति दी गई। पीठ ने कहा कि हम स्पष्ट करते हैं कि अगली सुनवाई (5 मई) प्रारंभिक आपत्तियों और अंतरिम आदेश के लिए होगी।

खुशखबरः 'रानी' ने दिया पांच शावकों को जन्म

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क से खुशखबर है। यहां बाघिन रानी ने रविवार को एक साथ पांच शावकों को जन्म दिया है। पांचों शावक पूरी तरह स्वस्थ हैं और पार्क के अधिकारी उनकी देखभाल में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। खास बात यह है कि राजस्थान के इतिहास में पहली बार किसी बाघिन ने एक साथ पांच शावकों को जन्म दिया है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार रानी ने 11 महीने 17 दिन पहले भी तीन शावकों को जन्म दिया था। इस बार जन्मे शावकों में चार का रंग सुनहरा (गोल्डन) और एक का रंग सफेद है, जो सभी पर्यटकों और वन्यजीव प्रेमियों के बीच आकर्षण का केंद्र बन सकते हैं।

दहशत में दहशतगर्द पाकिस्तान, पाक अधिकृत कश्मीर खाली करने लगे आतंकी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। । पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर सैन्य कार्रवाई की आशंका को देखकर पाकिस्तान में खलबली मच गई है। पाकिस्तान ने आतंकियों को पीओके के लांच पैड से हटाकर सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही बहावलपुर में जैश ए मोहम्मद और मुनीरके में लश्करे तैयबा के हेडक्वार्टर से भी आतंकियों को हटाया जा रहा है। सर्जिकल और एयर स्ट्राइक को देखते हुए पाकिस्तान को सबसे बड़ी चिंता आतंकियों को बचाने की है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार पहलगाम आतंकी हमले के समय भी पीओके में कुल आतंकियों के कुल 42 लांच पैड सक्रिय थे और वहां 130 से अधिक आतंकी ठहरे हुए थे। इन लांच पैड से आतंकियों को जम्मू-कश्मीर भेजा जाता था। पहलगाम में हमला करने वाले आतंकी भी इन्हीं लांच पैड से भारत में घुसे थे। आतंकियों के ये लांच पैड पाकिस्तानी सेना के निरगानी में चलते हैं और वही उन्हें जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने में मदद करता है और जरूरत पड़ने पर भारतीय सुरक्षा बलों का ध्यान भटकाने के लिए फायरिंग भी करता है। लेकिन भारत की ओर से हमले की आशंका को देखते हुए सभी लांच पैड को खाली कराया जा रहा है और उन्हें सुरक्षित ठिकानों पहुंचाया जा रहा है। पीओके स्थित लांच पैड के साथ बहावलपुर और मुनीरके में रह रहे आतंकियों और उनके बड़े आकाओं को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के पास आतंकियों को हटाने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की ठोस जानकारी मिल रही है। दरअसल 2016 में उरी आतंकी हमले के बाद हुए सर्जिकल स्ट्राइल में भारतीय सेना ने पीओके स्थित आतंकियों के लांच पैड को निशाना बनाया था और सैंकड़ों आतंकियों को मार कर सुरक्षित लौट आए थे। बता दें प्राथमिकता 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को भारत की ओर से पीओके में आतंकी शिविरों पर हमले की आशंका थी और उसने पहले ही आतंकियों को वहां से हटाकर पाकिस्तान सीमा के भीतर बालाकोट के आतंकी प्रशिक्षण शिविर में पहुंचा दिया था। लेकिन भारत ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक कर 300 से अधिक आतंकियों को मार गिराया था। इसे देखते हुए पाकिस्तान इस बार आतंकियों को छोटी-छोटी टुकड़ियों में अलग-अलग स्थानों पर पहुंचा रहा है ताकि भारतीय सुरक्षा बल एक साथ उन्हें निशाना नहीं बना सकें।

CMYK

बाल विवाह के रोकथाम हेतु किया जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक संजय वर्मा ने बताया कि जिले के मालाखेड़ा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय माधोगढ़ में सोमवार को जिला प्रशासन, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग, अलवर तथा कुलपति सरदार पटेल युनिवर्सिटी ऑफ पुलिस, सुरक्षा क्रिमिनल जस्टिस जोधपुर के मार्गदर्शन में संचालित सेन्टर फॉर चाइल्ड प्रोटेक्शन के तत्वाधान में पारदर्शिता संस्था जयपुर के सहयोग से बाल विवाह रोकथाम और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उपखण्ड अधिकारी मालाखेडा नवज्योति कांवरिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अक्षय तृतीया (आखातीज), पीपल पूर्णिमा जैसे अबूझ सावों पर होने वाले बाल विवाहों की रोकथाम एवं जागरूकता गतिविधियों, आइस ब्रेकिंग गतिविधि, स्कूल के बच्चों द्वारा नाट्य एवं गीत प्रस्तुतिकरण किया गया तथा अतिथिगणों द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी दी गई। उपस्थित समस्त प्रतिभागियों से बाल विवाह नही करने एवं न होने देने की शपथ दिलाई गई तथा सिग्नेचर कैपेन आयोजित करवाया गया। उक्त कार्यक्रम में गोविन्द शेखावत विकास अधिकारी मालाखेड़ा, भगवान सहाय शर्मा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मालाखेड़ा, विपि खोकर तहसीलदार मालाखेड़ा, उप प्रधानाचार्य मनीषा सैनी, अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण, स्कूल स्टाफ, सेंटर फॉर चाइल्ड प्रोटेक्शन संस्था एवं पारदर्शिता संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

केदारनाथ में लगने वाले 6 महीने के भंडारे के लिए रसद सामग्री का पहला ट्रक हुआ रवाना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। श्री अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति के द्वारा केदारनाथ धाम में लगने वाले आठवें भंडारे जो की 2 मई से 25 अक्टूबर 2025 तक चार धाम यात्रा के दौरान केदारनाथ उत्तराखंड में मंदिर के बिल्कुल पास लगाया जाएगा। समिति के सेवादारों की ओर से रसद सामग्री का पहला ट्रक दोपहर 2.15 बजे रिवाज रिजॉर्ट (कंपनी बाग के सामने से भगवा ध्वज दिखा कर रवाना किया गया। श्री अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति की ओर से इस भंडारे में लगभग 5-6 हजार व्यक्ति रोज चाय, नाश्ता एवं दोनों समय का भोजन प्रसादी प्राप्त करते हैं। लगभग 100 व्यक्तियों की रुकने की व्यवस्था भी समिति की ओर से ऊपर मंदिर के पास पहले आओ पहले आओ के आधार पर की जाती है। समिति की ओर से आर पी महावर, विजय सॉल्वेक्स, बाबू झालानी सीबा मसाला, अशोक सैनी अपनाघर शालीमार, सुरेश गुप्ता नीलकंठ, नरेश गुप्ता, महेश मुद्गल, आशीष खंडेलवाल, राजेश जोशी, विष्णु शर्मा, अजय गौड़, हेमंत सैनी, सुरेश यादव, प्रमोद शर्मा, रजनीकांत खंडेलवाल, राजीव शर्मा, मनदीप चौधरी, ड्राइवर राधेश्याम सैनी एवं अन्य सेवादार मौजूद थे।

गौ स्वामणि का किया आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर आज दिनांक 28/04/2025 वार सोमवार को अलवर जिला युवा ब्राह्मण सभा द्वारा बुधविहार गौ शाला में गौ स्वामणि की। अलवर जिला युवा ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष पंडित विवेकानन्द शर्मा ने बताया की श्री परशुराम जन्मोत्सव पर युवा टीम द्वारा गौ स्वामणि का आयोजन किया जाता हैं। गौ स्वामणि में टीम के हेमंत शर्मा, कमलेश कुमार शर्मा, उमेश शर्मा, साहिल शर्मा, पंकज शर्मा, होती लाल शर्मा, रिक्की टोंगडा, ओमप्रकाश शर्मा, ललित भारद्वाज, बजरंग शर्मा, अशोक शर्मा, गौरव शर्मा, मनोज शर्मा, पवन शर्मा, अनिल शर्मा, अंकुल शर्मा, रतनदीप भारद्वाज, आदि उपस्थित रहे।

परशुराम जयंती पर युवाओं ने किया 51 यूनिट रक्तदान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा एवं परशुराम सेना के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन जीवन धारा ब्लड बैंक में किया गया। जिसमें जारूगक युवाओं ने 51 यूनिट रक्तदान किया। जिसमें युवाओं के द्वारा बेहतर भागीदारी निभाई गई। कार्यक्रम संयोजक रजनीश जैमन ने बताया कि रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि महंत जितेंद्र खेड़ापति रहे, जिनके द्वारा भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया फिर युवाओं को उत्साह वर्धन किया गया। इसमें प्रथम बार मंयक, अश्वनी कुमार, प्रशांत, राहुल के द्वारा रक्तदान किया गया। युवाओं को उत्साह वर्धन कर भगवान परशुराम के बारे युवाओं को प्रेरित किया गया और एक यूनिट रक्तदान से तीन लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। इस मौके पर चेतन जैमन, खेमराज, विवेक शर्मा, मंयक शर्मा, रामवीर, सोनू , वैभव शर्मा, रोहित पटेल, जतिन खेड़ापति आदि युवा उपस्थित रहे।

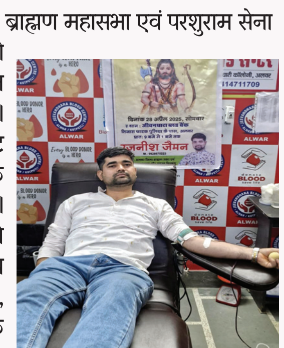

किशोर न्याय समिति के द्वारा दिये गये निर्देशों को गंभीरता से लेवें : सोनी

जिला बाल पीडित प्रतिकर सहायता समिति' की बैठक में प्राधिकरण सचिव सोनी ने दिए दिशा-निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। किशोर न्याय समिति, राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशो की पालना में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के निर्देशानुसार सोमवार को 'जिला बाल पीडित प्रतिकर सहायता समिति' की बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अलवर मोहनलाल सोनी ने की। जिसमें बीना महावर अति. जिला मजि0 (शहर) अलवर, अति. पुलिस अधीक्षक एस.आई.यू.सी.ए.डब्ल्यू अलवर की ओर से प्रतिनिधि हरिओम शर्मा, दिनेश कुमार यादव अति. पुलिस अधीक्षक एस.आई.यू.सी.ए.डब्ल्यू सिकाउ भिवाडी, रेणु गुप्ता कार्यवाहक अध्यक्ष बाल कल्याण समिति अलवर की ओर से उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर सचिव व अपर जिला न्यायाधीश मोहनलाल सोनी के द्वारा बैठक में प्रशासन तथा पुलिस विभाग से उपस्थित सदस्य नोडल अधिकारीगण को वर्ष 2019 से मार्च 2023 तक एवं उसके पश्चात पुलिस थानों में दर्ज पोक्सो अधिनियम के मामलों में पीडितो एवं उनके परिजन से सम्पर्क कर अविलंब प्रतिकर राशि हेतु आवेदन तैयार करवाये जाकर भिजवाने के संबंध में किशोर न्याय समिति के द्वारा दिये गये निर्देशों को गंभीरता से लेने पर जोर दिया गया। बैठक में स्थानीय जिला प्रशासन की ओर से उपस्थित नोडल अधिकारी बीना महावर, अति. जिला मजि0 (शहर) अलवर के द्वारा वर्ष 2019 से अभी तक पुलिस जिला अलवर तथा भिवाडी में 400 पोक्सो मामलों में प्रकरणों में आवेदन प्राप्त होने के संबंध में अवगत करवाया, जिस पर समिति के अध्यक्ष मोहनलाल सोनी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व अपर जिला न्यायाधीश के द्वारा पोक्सो के मामलों में शीघ्रातीघ्र पीडितो के आवेदन तैयार कर भिजवाने के दिशा-निर्देश प्रदान किये गये।

बैठक में कार्यवाहक अध्यक्ष बाल कल्याण समिति अलवर रेणु गुप्ता के द्वारा अवगत करवाया गया कि पुलिस थानों से अभी तक प्राप्त सभी आवेदन नोडल अधिकारी, अति. जिला मजि. शहर, अलवर को भिजवाये जा चुके है तथा शेष प्रकरणों में संबंधित पुलिस थानो से ही आवेदन अभी प्राप्त नहीं हुये है, जिसके संबंध में सोनी के द्वारा अति. जिला पुलिस अधीक्षक, एस.आई.यू.सी.ए.डब्ल्यू अलवर तथा भिवाडी को पीडित प्रतिकर के आवेदन अविल ब तैयार कर बाल कल्याण समिति को भिजवाने हेतु संबंधित पुलिस थानो को निर्देशित करने के दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। बैठक में उपस्थित अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति, अलवर रेणु गुप्ता को ऐसे पोक्सो के प्रकरण जिनमें आवेदन अभी तक प्राप्त नहीं हो सके है, की सूची तैयार करवाई जाकर उपलब्ध करवाने के दिशा-निर्देश दिये गये तथा। सोनी के द्वारा विशिष्ट पोक्सो न्यायालयों के द्वारा निर्णय कर प्रतिकर राशि का निर्धारण कर भिजवाये गये प्रकरण, जिनमें प्रतिकर राशि के भुगतान हेतु पीडिताओं के बैंक खाते के विवरण व आधार कार्ड आदि दस्तावेजात संबंधित पुलिस थानों से अभी तक प्राधिकरण को उपलब्ध नहीं करवाये गये है, ऐसे प्रकरणों की सूची अति. पुलिस अधीक्षक, एस.आई.यू.सी.ए.डब्ल्यू अलवर तथा भिवाडी को भिजवाई जाकर निर्धारित समय में इस कार्यालय को भिजवाने हेतु दिशा-निर्देश प्रदान किये गये।

पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में आज अलवर बंद

बन्द कराने के लिए अलवर शहर को दस जोन में बांटा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। पहलगांव में आतंकवादियो द्वारा पर्यटकों पर हुए हमले एवं धर्म पूछ कर बर्बर तरीके से उनकी निर्मम हत्या कर दी गई, जिससे पूरे भारतवर्ष में आक्रोश है। ऐसे में अलवर जिला व्यापार महासंघ ने मीटिंग कर आतंकवादियों के खिलाफ एक जुटता दिखाने एवं मृतकों को श्रद्धांजलि प्रदान करने के लिए 29 अप्रैल मंगलवार को अलवर बंद का निर्णय लिया। महासंघ के जिला महामंत्री मुकेश विजय ने बताया कि अलवर बंद को लेकर व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा सभी व्यापारिक संगठनों से संपर्क किया गया, उनके द्वारा महासंघ को अपना समर्थन दिया है। सुबह लगने वाले समोसे, कचोरी की ठेली वालों ने भी राष्ट्रहित के इस मुद्दे पर स्वैच्छिक बंद करने का निर्णय लिया है और महासंघ को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। वहीं आवश्यक सेवाएं अस्पताल, मेडिकल स्टोर ए बुलेंस को बंद से मुक्त रखा गया है। दूसरी तरफ करणी सेना, विश्व हिंदू परिषद एवं अन्य संगठनों के द्वारा भी अलवर बंद को समर्थन दिया गया है। महासंघ के जिला महामंत्री मुकेश विजय ने बताया कि अलवर बंद के लिए महासंघ की एक मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें पूरे शहर के 10 जोन बनाए गए हैं और इसके लिए अतुल शर्मा अनिल खंडेलवाल वीरेंद्र भगवती बिहारी पाराशर अखिलेश गर्ग, राजकुमार जैन संदीप मोदी, कृष्ण कुमार कुकरेजा, मनोज विजय महेश सेठी सतीश बांडा रिंकू अरोड़ा रवि जुनेजा मुकेश गुप्ता और सुनील खंडेलवाल को अलग-अलग क्षेत्र की जि मेवारी दी गई है। महासंघ के जिला अध्यक्ष रमेश जुनेजा ने बताया कि व्यापारियों के द्वारा वैसे तो इस राष्ट्रहित और संवेदनशील घटना के पश्चात स्वैच्छिक रूप से बंद रखा जाएगा फिर भी कोई दुकान या प्रतिष्ठानों खुलेगा तो उनको बंद करवाया जाएगा। सभी सुबह 8 बजे होपसर्कस पर एकत्र होंगे ओर वहां से 10 जोन में शहर को बाटकर अलग-अलग क्षेत्र में टोलिया रवाना होगी जो अलवर बंद पर निगरानी रखेंगे।

विधायक ने करवाई नीमराणा तहसील में अधिवक्ताओं की हड़ताल समाप्त

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निसं.)। नीमराणा तहसील में अभिभाषक संघ द्वारा एडीजे कोर्ट की स्थापना की मांग को लेकर विगत 78 दिनों से चल रही अधिवक्ताओं की हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन का समाधान निकला। विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव एवं पूर्व जिला प्रमुख किरण यादव ने अधिवक्ताओं से संवाद कर उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को प्राथमिकता से उच्च स्तर पर उठाया जाएगा। डॉ. जसवंत यादव के सकारात्मक आश्वासन और विश्वास के बाद अधिवक्ताओं ने अपनी हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की। कई दिनों से चल रही इस हड़ताल की वजह से न सिर्फ आमजन को परेशानी हो रही थी बल्कि अधिवक्ताओं का भी लम्बे अरसे से काम काज बंद हो रखा था।

इस अवसर पर विधायक डॉ. जसवंत यादव ने कहा

"न्याय व्यवस्था को मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिवक्ताओं की मांग को हमने विधानसभा में उठाया जिसका जवाब भी सरकार की तरफ से आया है। ज़रूरत पड़ने पर इसे फिर सरकार के समक्ष रखा जायेगा ताकि जो भी प्रयास हमारी तरफ़ से हो सके वो हो और सरकार इस पर अपना पक्ष रख सके। भारतीय जनता पार्टी विकास और व्यवस्था की राजनीति करती है, और नीमराणा क्षेत्र को न्यायिक सुविधाओं से सशक्त बनाना हमारा संकल्प है। जनता और अधिवक्ताओं का विश्वास बनाए रखना हमारा कर्तव्य है।" उन्होंने हड़ताल समाप्त करने की बात मानने के लिए अधिवक्ताओं को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अधिवक्ताओं और स्थानीय लोगों की उपस्थिति थी। सभी ने विधायक डॉ. जसवंत यादव के प्रयासों की सराहना की और उनके नेतृत्व में विश्वास जताया। इस अवसर पर उनके साथ एसडीएम महेन्द्र सिंह यादव, पुलिस उपाधीक्षक सचिन शर्मा, भाजपा नेता देवेन्द्र यादव, शिवचरण, उपाध्यक्ष नवीनबाला यादव, कोषाध्यक्ष पिताम्बर एडवोकेट, बार संघ पूर्व अध्यक्ष मकरध्वज शर्मा व अभिभाषक संघ नीमराणा के अधिवक्ता सहित सभी मौजूद रहेंउपस्थित रहे।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

जिले में आपदाओं से निपटने के लिए तैयार किया जाएगा डिजास्टर प्लान

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा। जिला कलक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर किशोर कुमार ने विभागों को भेजे गए एमपी/एमएलए परिवादों की समीक्षा कर शेष परिवादों के जवाब भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर लंबित चल रहे परिवादों का समय पर निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाने एवं एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर विभागवार पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए 30 दिवस से ऊपर लंबित परिवादों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए बिजली एवं पानी की व्यवस्था को सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उपखंड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को सभी जगह पेयजल पूर्ति हेतु संकटग्रस्त क्षेत्रों में टैंकर द्वारा की जा रही सप्लाई की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से नरेगा साइट का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विभाग कि आपदा प्रबंधन कार्य योजना भेजने के निर्देश दिए ताकि जिले का डिजास्टर प्लान तैयार किया जा सके। इस प्लान के तहत आपदाओं के जोखिमों का आकलन, रोकथाम के उपाय, प्रतिक्रिया योजना, और पुनर्वास शामिल हैं। जिला कलक्टर ने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि मौसम में बदलाव को देखते हुए मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए उपयुक्त उपाय सुनिश्चित करें। उन्होंने बीमारियों की रोकथाम की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए अस्पतालों में सुविधाऐं बढाने, मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए, साथ ही झोलाछाप डॉक्टरों पर अभियान शुरू कर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत निगम को पीएम सूर्य घर योजना का प्रचार प्रसार कर पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रस्तावित राज्यपाल दौरे के संबंध में तैयारी करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतुल साहू, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, कोऑपरेटिव वेद प्रकाश सैनी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट, बिजली विभाग, पीएचईडी, महिला एवं बाल विकास, पुलिस, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

संविधान हमारे देश की आत्मा- पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह

अलवर(निसं.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जयपुर के रामलीला मैदान में आयोजित संविधान बचाओ रैली में एआईसीसी महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में अलवर से कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जयपुर पहुंचे जिला प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया की अलवर जिले की 11 विधानसभा से लगभग 5000 कांग्रेसजन रैली में शामिल हुए। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से लगाई दोनों चेक पोस्टों पर वाहनों की मोनेटरिंग की गई रैली को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि 'संविधान बचाने के लिए देश की जनता को कांग्रेस पार्टी के साथ आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि 'संविधान हमारे देश की आत्मा है, हमारे अधिकारों और कर्तव्यों का स्रोत है, देश की धरोहर है। भाजपा लगातार संविधान पर हमला कर देश का नुकसान कर रही है, नागरिकों के अधिकार छीन रही है। संविधान की रक्षा के लिए, अपने देश की सुरक्षा के लिए हम सब को एकजुट होना होगा। नेता प्रतिपक्ष टीकारम जूली ने कहा कि भारत का संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है, जो सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार, समानता, स्वतंत्रता और न्याय सुनिश्चित करता है। आज देश की संस्थाओं की स्वतंत्रता पर खतरा है, अभिव्यक्ति की आज़ादी पर अंकुश और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों का हनन हो रहा है कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि "संविधान हमारा गौरव है, इसकी रक्षा हमारा धर्म है।" भाजपा सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाया जा रहा है और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किया जा रहा है।

प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक नियमित जनसुनवाई करना सुनिश्चित करें -जिला कलक्टर

जिला कलक्टर ने ली जलदाय विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में सोमवार को मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में ग्रीष्म ऋतु में पेयजल उपलब्धता की तैयारियों एवं जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने बैठक में जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रीष्मकाल के दौरान समस्त अधिकारी तत्परता से कार्य करते हुए पेयजल संबंधित शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करें। उन्होंने निर्देश दिये कि विधायक निधि, बजट घोषणा व स्टेट प्लान के तहत अलवर शहर के लिए नये स्वीकृत 73 ट्यूबवेल को 10 मई तक चालू करने के निर्देश दिये। जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता भवानी सिंह शेखावत ने अवगत कराया कि अलवर शहर के लिए विभिन्न मदो में स्वीकृत 73 नये ट्यूबवेल में से 27 ट्यूबवेल चालू हो गये है। जिनसे प्रतिदिन अतिरिक्त 20 लाख लीटर से अधिक पेयजल आपूर्ति शुरू हो गयी है। 10 नये ट्यूबवेल की ड्रीलिग हो गई है। 2 दिवस में उनको चालू कर दिया जायेगा जिनसे करीब 8 लाख लीटर अतिरिक्त पानी प्रतिदिन मिलेगा। शेष ट्यूबवेल की ड्रीलिग व कमीशनिंग का कार्य 10 मई तक करा दिया जाएगा इन सभी ट्यूबवेल चालू होने से प्रतिदिन 50 लाख लीटर से अधिक पेयजल की आपूर्ति अलवर शहर में होगी। जिला कलक्टर ने जलदाय विभाग के पेजलय शिकायत समाधान प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों की प्रगति एवं समाधान की जानकारी लेकर परिवादों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए तथा कलक्ट्रेट में पेयजल समस्या संबंधी समाधान के लिए वार रूम में आने वाली परिवेदनाओं व अलवर वाटर मॉनिटरिंग सिस्टम' पोर्टल पर आ रही पेयजल संबंधी परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण करे। उन्होंने जलदाय विभाग के सहायक अभियन्ताओं को निर्देश दिए कि अलवर शहर में कल से ही प्रात पानी की सप्लाई के समय फील्ड विजिट एवं कार्यालय में प्रात 11 बजे से 1 बजे तक नियमित जनसुनवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश कि गंदे पानी संबंधी शिकायतों का निस्तारण 24 घंटे में आवश्यक रूप से करें, इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार की शिकायतों का भी यथाशीघ्र समाधान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मासिक आधार पर लक्ष्य निर्धारित कर इसके कार्यो की प्रगति में तेजी लाये ताकि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर पानी की कवरेज जल्द से जल्द सुनिश्चित हो सके। उन्होंने निर्देश दिये कि शेष रहे रोड कटिंग रिपेयर कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण कर रिपोर्ट भिजवाये। बैठक में जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता भवानी सिंह शेखावत, जलदाय विभाग एनसीआर सर्किल के अधीक्षण अभियंता दिनेश कुमार वर्मा एवं विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता सुधीर पांडेय, जलदाय विभाग के अधिशाषी अभियन्ता संजय सिंह, कमल नारंग, रामजीत मीणा, के एल सैनी, महेंद्र मीणा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उप जिलाप्रमुख डागर के नेतृत्व में संविधान बचाओ रैली में पहुचें सैकड़ों कार्यकर्ता

डागर के नेतृत्व में जयपुर ग्रामीण से पहुचें सैकड़ों कार्यकर्ता

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। रामलीला मैदान में प्रदेश कांग्रेस द्वारा आयोजित संविधान बचाओ रैली में उप जिलाप्रमुख जयपुर मोहन डागर के नेतृत्व में जयपुर ग्रामीण से सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान रैली को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा , पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट ने सम्बोधित किया। रैली में उप जिलाप्रमुख डागर ने जयपुर ग्रामीण के सैकड़ों साथियों के साथ शामिल होकर संविधान संरक्षण के इस महाअभियान में हिस्सा लिया। ओर कहा की भारत का संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है, जो सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार, समानता, स्वतंत्रता और न्याय सुनिश्चित करता है। आज देश की संस्थाओं की स्वतंत्रता पर खतरा है, अभिव्यक्ति की आज़ादी पर अंकुश और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों का हनन हो रहा है। भाजपा सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाया जा रहा है और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किया जा रहा है।"संविधान हमारा गौरव है, इसकी रक्षा हमारा धर्म है हम हर किमत पर संविधान की रक्षा करेंगे।

बरोल चौराहे पर फटा बिसलपुर का पाइप, आज कई इलाकों में नहीं आएगा पानी

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निसं.)। फुलेरा, जोबनेर और किशनगढ़ रेनवाल क्षेत्र होंगे प्रभावित फुलेरा(राजकुमार देवाल) मालपुरा के बरोल चौराहे के पास बिसलपुर पेयजल परियोजना की मुख्य पाइपलाइन में सोमवार दोपहर बड़ा रिसाव हो गया। इसके चलते मंगलवार को सांभरलेक, फुलेरा, जोबनेर, किशनगढ़ रेनवाल कस्बों समेत आसपास के ग्रामीण इलाकों में पानी की सप्लाई पूरी तरह बाधित रहेगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खंड जोबनेर के अधिशाषी अभियंता मदन लाल मीणा ने बताया कि लीकेज काफी बड़ा है और मरम्मत कार्य में समय लगेगा। विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और युद्धस्तर पर मरम्मत का कार्य जारी है।जल संकट की आशंका को देखते हुए विभाग ने आमजन से पानी का संचय करने और आवश्यकता अनुसार ही उपयोग करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि असुविधा के लिए क्षमा याचना करते हुए जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

कल अक्षय तृतीया पर होगा माहेश्वरी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एवं रिसर्च सेंटर का भूमिपूजन एवं शिलान्यास समारोह

जयपुर टाइम्स

नरैना(निसं)। राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित जयपुर माहेश्वरी समाज के शैक्षणिक संस्थान अपनी उच्च गुणवत्ता की शैक्षणिक शिक्षा के लिए जाने जाते हैं। जयपुर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष केदारमल भाला ने बताया कि माहेश्वरी समाज अपने शताब्दी वर्ष में अब स्वास्थ्य एवं मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में भी पदार्पण करने जा रहा है,जो जयपुर माहेश्वरी समाज सहित विश्व के संपूर्ण माहेश्वरी बंधुओ के लिए गौरव की बात है। भाला ने बताया कि जयपुर के मानसरोवर विस्तार में वन्दे भारत सर्किल के पास नारायण विहार में स्थित माहेश्वरी समाज की जगह पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व श्री सीमेंट के चैयरमेन हरिमोहन बांगर के कर-कमलों से अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर माहेश्वरी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एवं रिसर्च सेंटर का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया जायेगा। भूमिपूजन व शिलान्यास समारोह के दौरान हजारों की संख्या में माहेश्वरी समाज के विभिन्न पदाधिकारियों सहित समाज बंधु उपस्थित रहेंगे।

अवैध, अस्थाई अतिक्रमण के विरूद्ध अब 2 पारियों में होगी कार्यवाही

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर की अतिक्रमण निरोधक समिति की बैठक सोमवार को निगम मुख्यालय के पन्नाधाय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में हो रहे अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही, नगर निगम क्षेत्राधिकार की जमीनों को अवैध अतिक्रमण से मुक्त करवाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। अतिक्रमण निरोधक समिति चैयरमेन लक्ष्मण नूनीवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में समिति के सदस्यों महेश सैनी, गोविन्द छीपा, हिमांशु जैन, उषा टाटीवाल, सतर्कता शाखा की टीम सहित संबंधित अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। अतिक्रमण निरोधक समिति चैयरमेन लक्ष्मण नूनीवाल ने अब तक हटाये गये स्थाई व अस्थाई अतिक्रमणों की जानकारी ली तथा अवैध, अस्थाई अतिक्रमण की कार्यवाहियों को और अधिक रूप से सुदृढ़ रूप से करने के निर्देश दिये। श्री लक्ष्मण नूनीवाल ने निर्देश दिये कि अवैध, अस्थाई अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाहियां अब 2 पारियों में की जाये जिससे की शहर को अवैध अतिक्रमण से निजात मिल सके। उन्होंने कहा कि शाम को बाजारों में अस्थाई अतिक्रमण बढ़ने लगता है जिससे की आमजन को ट्रेफिक की समस्या का सामना करना पड़ता है।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

भीषण गर्मी से आमजन को राहत पहुंचाने के लिए बिजली, पानी, चिकित्सा एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। जिले में बिजली, पानी, चिकित्सा तथा मौसमी बीमारियों सहित आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र के वीसी कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने सभी उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठकें आयोजित कर बिजली, पानी, चिकित्सा, हीटवेव जैसी समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी कदम उठाएं। साथ ही उपखंड अधिकारियों को क्षेत्रों का नियमित दौरा कर आमजन से फीडबैक प्राप्त कर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिला कलक्टर ने समस्त राजकीय कार्यालयों में आगंतुकों के लिए पेयजल एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खंडार क्षेत्र में किसानों की फसल सुरक्षा हेतु कृषि उपज मंडी खंडार में बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश उपखंड अधिकारी दामोदर सिंह को प्रदान किए। उन्होंने पीएम कुसुम योजना एवं पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग बी.एल. मीणा को जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक आमजन को योजनाओं से लाभांवित करने के निर्देश दिए। वहीं, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल जैमिनी को लू-तापघात की स्थिति से निपटने, मौसमी बीमारियों के बचाव हेतु समस्त चिकित्सालयों में उपचार के लिए आवश्यक सभी सेवाओं को दुरूस्त करने, लू-तापघात के मरीजों के लिए आईसीयू वार्ड में बेड आरक्षित रखने एवं आवश्यक दवाओं की समुचित मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुओं के लिए खेड़ियों में भी पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जिला कलक्टर ने रास्ता खोलो अभियान की समीक्षा करते हुए जिले में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की और सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को अभियान को मिशन मोड में चलाने तथा राजस्व रिकॉर्ड में अतिक्रमण अंकित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के तहत प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा। बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने की बात दोहराई। ई-फाइल कार्यप्रणाली की प्रगति पर संयुक्त निदेशक पंकज मीणा से जानकारी प्राप्त कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। राजस्थान संपर्क पोर्टल एवं जिला स्तरीय कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर कलक्टर ने सवाई माधोपुर शहर, रणथंभौर रोड सहित अन्य मुख्य सड़कों पर विशेष सफाई अभियान चलाने और अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए। साथ ही, सब्जी मंडी में सब्जियों एवं फलों के ठेलों पर डस्टबिन रखने एवं व्यापारियों को अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, एसडीएम अनूप सिंह, सहायक कलक्टर रूबी अंसार, तहसीलदार नीरू सिंह , अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग भगवान सहाय मीणा, उप निदेशक उद्यान हेमराज मीणा, नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

उपभोक्ता डिजिटल लेन-देन में अत्यधिक सावधानी बरतें-निर्वाण

दी चूरू सैण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक में साइबर सुरक्षा व मोबाइल बैंकिंग सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। दी चूरू सैण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि. की ओर से अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तत्वाधान में साइबर सुरक्षा व मोबाइल बैंकिंग सुरक्षा पर सोमवार को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीडीएम नाबार्ड जी. एल निर्वाण रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता व बैंक के प्रबंध निदेशक मदन लाल शर्मा ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि सहकारिता विभाग के उप रजिस्ट्रार डॉ. सुनील मंडिया, विशेष लेखा परीक्षक निशा कुमारी, साइबर पुलिस थाना के आईटी ऑफिसर महावीर सिंह, हैड कांस्टेबल राजू सहारण, कांस्टेबल हरीश चौधरी रहे। इस अवसर पर साइबर पुलिस थाना के महावीर सिंह ने साइबर अपराधों की आधुनिक तकनीकों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि फिशिंग ईमेल, क्यूआर कोड, धोखाधड़ी, मोबाइल स्क्रीन शेयरिंग स्कैम्स, डिजिटल गिरफ्तारी, फ्रॉड व सोशल मीडिया के माध्यम से की जा रही ठगी पर बल देते हुए इनसे सावधान रहने की सलाह दी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डीडीएम नाबार्ड जी. एल निर्वाण ने डिजिटल लेन-देन में सावधानी बरतें और अत्यधिक सतर्क रहने की जानकारी दी। उप रजिस्ट्रार डॉ. सुनील मंडिया ने भी डिजिटल उपयोग से जुड़े व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। बैंक प्रबंध निदेशक मदन लाल शर्मा ने ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के लिए सुरक्षा उपायों के बारे पर चर्चा की। बैंक आईटी सेल अधिकारी राजपाल सिहाग ने बैंक में अपनाई गई साइबर सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी और साइबर अपराध होने की स्थिति में 1930 पर त्वरित संपर्क, नजदीकी साइबर थाना में रिपोर्ट और डिजिटल साक्ष्य को सुरक्षित रखने के महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर अतिथियों को प्रतिक चिन्ह् प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बैंक मुख्य प्रबंधक, बैंक आईटी सेल टीम, विभागीय निरीक्षक व समिति व्यवस्थापक व बड़ी संख्या में बैंक कार्मिक उपस्थित रहे।

मौसमी बीमारियों व हीटवेव को लेकर लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त- डॉ. गुर्जर

कोटपूतली (निसं)। बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर ने सोमवार को एन्टीलार्वा सर्वे एवं मौसमी बीमारियों व हीटवेव की समीक्षा कर स्वास्थ्यकर्मियों व फील्ड स्टॉफ को आवश्यक निर्देश दिये देते हुये कहा कि मौसमी बीमारियों व हीटवेव के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बीसीएमओ ने सोमवार को ब्लॉक कोटपूतली की सभी चिकित्सा संस्थानों की मौसमी बीमारियों व हीटवेव की समीक्षा करते हुये आवश्यक निर्देश प्रदान किये। उन्होंने एन्टीलार्वा सर्वे की मॉनीटरिंग हेतु टीमें बनाकर फील्ड में भेजी है, जो फिल्ड स्टॉफ द्वारा किये गये एन्टीलार्वा सर्वे की डोर टु डोर जाकर क्रॉसिंग चेकिंग करेगी। वहीं टीमों द्वारा शहरी क्षेत्र में विशेष नजर रखी जायेगी, कही भी कोई लापरवाही एवं कमी मिलने पर कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया जायेगा। सोमवार को बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर द्वारा वर्चुअल मॉनीटरिंग करने पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर-आरोग्य परम धनम् प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भालोजी व उप स्वास्थ्य केन्द्र पूतली पर कुछ स्टॉफ अनुपस्थित मिला।

सहकारिता विभाग में एक निरीक्षक एवं एक सहायक रजिस्ट्रार निलम्बित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक के निर्देश पर सहकारिता विभाग के एक निरीक्षक एवं सहायक रजिस्ट्रार को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है। निरीक्षक एवं सहायक रजिस्ट्रार के विरूद्ध एफआईआर दर्ज होने के बाद त्वरित रूप से यह कार्यवाही की गई है। इस सम्बन्ध में दो अलग-अलग आदेश जारी किए गए हैं। रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रधान कार्यालय, जयपुर में पदस्थापित निरीक्षक जितेन्द्र चौधरी के विरूद्ध शराब के नशे में अपनी गाड़ी से रास्ता अवरूद्ध किया जाकर राहगीरों व पुलिस अधिकारियों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने तथा राजकार्य में बाधा पहुंचाने के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट 26 अप्रेल, 2025 को कानोता थाने में पंजीबद्ध हुई है। ऐसे में उनके विरूद्ध सी.सी.ए. नियमों के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही किया जाना प्रस्तावित है। निलम्बन काल में जितेन्द्र चौधरी का मुख्यालय अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, बीकानेर किया गया है। इसी प्रकार, क्रय-विक्रय सहकारी समितियां, श्रीमाधोपुर के मुख्य कार्यकारी के पद पर कार्यरत सहायक रजिस्ट्रार हरिराम चौधरी के विरूद्ध भी उक्त प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। अत राज्य सरकार द्वारा चौधरी को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है। इस सम्बन्ध में संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़ द्वारा आदेश जारी किया गया है। निलम्बन काल में हरिराम चौधरी का मुख्यालय कार्यालय रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, जयपुर रहेगा।

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :—न.प.सु / विकास शाखा / 2025 / 607—611 दिनांक :— 24.04.2025

निविदा सूचना – 2025

नगर परिषद सुजानगढ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मस से निविदा दिनांक 02.05.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रतियां दिनांक 02.05.2025 को दोपहर 1:00 बजे तक विक्रय की जावेगी प्राप्त निविदायें उसी दिन उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष सायं 4:00 बजे खोली जावेगी। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक—(DLB2526WSOB02969) कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद / सी / 25 / 1435

सरोज यादव राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष बनी

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं)। निकटवर्ती ग्राम पवाना अहीर निवासी सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सरोज यादव को राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ भारतीय मजदूर संघ (भामस) की राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। प्रवक्ता रामकरण यादव ने बताया कि वर्तमान में राजस्थान राज्य कर्मचारी नर्सेज एसोसिएशन (भामस) की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रही सरोज यादव द्वारा कर्मचारी हितों के लिये बखूबी अंदाज में आवाज बुलंद करने व समर्पित और जुझारू संघर्ष की भूमिका के मध्य नजर राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा 26 व 27 अप्रैल को बूंदी में आयोजित अखिल भारतीय अधिवेशन के दौरान सरोज यादव को उक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिस पर सरोज यादव को प्राचार्य महेश चन्द यादव व ग्रामीणों द्वारा बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं।

स्व. मास्टर श्रीराम यादव की प्रथम पुण्यतिथि 02 मई को

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं)। निकटवर्ती ग्राम मोहनपुरा में क्षेत्र के वरिष्ठ नेता, समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि रहे स्व. मास्टर श्रीराम यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर आगामी शुक्रवार 02 मई को निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विरेन्द्र यादव एवं उनकी टीम द्वारा अपनी सेवायें दी जायेगी। शिविर में अलवर के पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव, कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, मुण्डावर विधायक ललित यादव, शाहपुरा विधायक मनीष यादव आदि जनप्रतिनिधिगण शिरकत करेगें।

कार्यालय ग्राम पंचायत ईयारा
पंचायत समिति बीदासर

क्रमांक: ग्रा.प.ई./2025-26/18-24 दिनांक- 25.4.2025

ई निविदा सूचना संख्या 02 (वित्तीय वर्ष 2025 - 26)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत ईयारा के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुकजी. एस. टी. पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म / शर्तें कार्यालय में तथा SPPP पोर्टल पर उपलब्ध है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की प्रारम्भ दिनांक एवं समय	प्रोसोसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	ग्राम पंचायत ईयारा के रामरत गावों में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	706380	14128	500	दिनांक 25.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 02.5.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 02.5.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 02.5.2025 साय 4.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदा शुल्क, अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा के साथ संलग्न करने होंगे ।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत ईयारा कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी. डी. / बैंकर चैक प्रशासक ग्राम पंचायत ईयारा के नाम बनाना होगा।
4. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।
5. बोलीदाता / संवेदक बंद लिफाफे पर ग्राम पंचायत ईयारा का नाम लिखकर एवं टेण्डर की कॉपी नियमानुसार कार्यालय ग्राम पंचायत ईयारा कार्यालय में जमा करावें ।

NIB code ZCR2526A0099 UBN is: ZCR2526WSOB00232

प्रशासक
ग्राम पंचायत ईयारा
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ईयारा
पं. स. बीदासर (चूरू)

नशे में गर्क होते लोग

एक वाक्य सामान्यत सब जगह लिखा पाया जाता है- 'पहले मैं शराब पीता था अब शराब मुझे पीती है, पहले पीता था थोड़ी-थोड़ी अब तो बोतल भी थोड़ी लगती है।' मादक पदार्थ व्यसन से अभिप्राय उन पदार्थों से है, जिनके सेवन से नशे का अनुभव होता है और लगातार सेवन से व्यक्ति उसका आदी बन जाता है। यह एक मनोविकार है, क्योंकि जिस नशे के सेवन की लत हो जाए उसके बिना जीवन की निरंतरता असंभव लगती है। आदत बदलना आसान हो सकता है, पर लत से पीछा छुड़ाना मुश्किल लगता है। चिकित्सक भी मानते हैं कि नशीले पदार्थों का सेवन अनेक बीमारियों की जड़ है। मादक पदार्थों के व्यसन को तीन तरह से समझा जा सकता है। पहला, फैशन के रूप में। कुछ जगह इनका सेवन प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया है, बच्चे या किशोर खुद को बड़ा दिखाना, जल्दी युवा होना चाहते हैं, इसलिए इनका सेवन शुरू कर देते हैं। दूसरा, कुछ लोग मित्रों के दबाव में आकर या घर के किसी सदस्य को नशा करते देख कर ये आदतें अपना लेते हैं। उनका कहना है कि इससे आनंद की प्राप्ति होती है, आत्मविश्वास बढ़ाने और ऊर्जा प्राप्त करने में मदद मिलती है। तीसरा है राजनीतिक-अर्थवाद के रूप में। इसके अनुसार नशीले पदार्थों के सेवन को दो नजरिए से देख सकते हैं एक तात्कालिक और दूसरा दूरगामी संदर्भ। तात्कालिक संदर्भ के अनुसार नशीले पदार्थों के बाजार से राजस्व की प्राप्ति होती है, जो किसी भी समाज के विकास के लिए आवश्यक है, और दूरगामी संदर्भ में इसके सेवन से श्रमशक्ति कमजोर होती है, बेकार हो जाती है, मानव पूंजी नष्ट होती है, गैर-उत्पादक बन जाती है। इस प्रकार दूरगामी संदर्भ के सामने तात्कालिक संदर्भ की उपेक्षा की जा सकती है। मसलन, अगर सरकार को सौ रुपया राजस्व मिलता है, तो नशे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में मरने या घायल होने वालों को दी जाने वाली क्षतिपूर्ति एक हजार रुपया होती है। यहां यह सोचने की जरूरत है कि नुकसान किसमें ज्यादा है? यह भी एक तथ्य है कि नशे का वैश्विक बाजार युवा शक्ति को निर्बल करने का अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र है। अगर शत्रु देश कमजोर है तो हमें हराने, हमारी अर्थव्यवस्था को नष्ट करने या समाज में बिखराव लाने के लिए ड्रग्स का बाजार विकसित करता है। इस संदर्भ में मुंबई और पंजाब का उदहारण लिया जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक पंजाब में 75 फीसद युवा मादक पदार्थों की चपेट में हैं, 67 फीसद घरों में कम से कम एक व्यक्ति इनका सेवन करता है, और हर सात दिन में एक व्यक्ति की नशे से मौत होती है। प्रतिवर्ष धूम्रपान करने से दस लाख लोगों की मौत होती है, जो कुल मौतों का दस फीसद है। 15-29 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों में धूम्रपान की लत बढ़ी है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि छब्बीस फीसद है, वहीं शहरी क्षेत्रों में यह अड़सठ फीसद है। हाल ही में टोरंटो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार भारत में अट्ठारह साल की उम्र में धूम्रपान करने वाले पुरुषों की संख्या में छत्तीस फीसद वृद्धि हुई है। मुंबई में भी ड्रग्स माफिया और राजनीतिक संरक्षण के कारण ड्रग्स का कारोबार बढ़ रहा है।

एक राष्ट्रीय दैनिक में छपी रिपोर्ट के अनुसार 2016 में भारत नशाखोरी में दुनिया में दूसरे स्थान पर है (10.80 करोड़ पुरुष और 1.1करोड़ महिलाएं), जो एक भयावय आंकड़ा है। पिछले दस साल में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 11,032 है। रिपोर्ट का यह भी मानना है कि तमाम पियक्कड़ पुरुष पीने के बाद अपनी पत्नी और बच्चों के साथ हिंसा करते हैं, कई परिवार तबाह हो जाते हैं, तलाक की दर और सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। शायद पंजाब भी नशे के चुंगल में आ जाने के कारण एक संपन्न से विपन्न राज्य की श्रेणी में आ गया है।

नशे की लत बढ़ने की कुछ वजहें साफ हैं परिवार और अनौपचारिक समूहों के नियंत्रण का आभाव, ड्रग्स की सुलभ उपलब्धता, मित्र समूहों की भूमिका, अपरिचितता और एकाकीपन को समाप्त करने का माध्यम, तनाव, अस्थिरता, असुरक्षा, अलगाव, भय, विफलता, कुंठा, निर्धनता, शक्ति संकेंद्रण के प्रभाव, अपराध हेतु प्रोत्साहन, विद्यार्थियों का देर रात जाग कर पढ़ाई करने के लिए सिगरेट का सहारा लेना ताकि नींद भगा सकें, पार्टी और अन्य उत्सवों में सबके पीने और एक के न पीने पर व्यंग्य का हिस्सा बनना या प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना जाना आदि अनेक कारण हो सकते हैं। शराब के सेवन को कुछ त्योहारों पर स्वीकृति भी प्राप्त है। हंड की एक रिपोर्ट के अनुसार 76 फीसद फिल्मों में तंबाकू और 72 फीसद फिल्मों में सिगरेट/ शराब का सेवन धड़ल्ले से दिखाया जाता है। 2005 में इस पर प्रतिबंध लगाया गया था, पर 2009 में अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इसे हटा दिया गया। अब केवल चेतावनी लिखी जाती है। इसी तरह 2008 में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, 2004 में स्कूलों से लगभग तीन सौ मीटर के दायरे में तंबाकू/ गुटखे की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगाया गया। इसके बाद भी नशाखोरी में हम विश्व में दूसरे स्थान पर हैं। इसका प्रभाव केवल देश की अर्थव्यवस्था पर नहीं, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार, विवाह संबंधों, रोजगार, व्यक्तित्व विकास, नियम-कानून का उलंघन्न, अनुशासनहीनता आादि पर भी पड़ता है। व्यक्ति की नजर से देखे तो उसकी कार्यक्षमता में कमी आना, कुशलता में कमी, समय पर काम न कर पाना, कार्यक्षेत्र में अक्सर अनुपस्थित रहना, झगड़ा, दुर्घटना, गलत व्यवहार करना, तनाव, कुंठा, अनिद्रा का शिकार होना, स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव आदि देखे जाते हैं। दूसरी तरफ, व्यक्ति का अपने आर्थिक दायित्वों को पूरा न कर पाना, नशे के लिए घर के सामान बेचना, उधार लेना, आपराधिक गतिविधियों में संलग्न होना, सामाजिक मूल्यों और आत्मनियंत्रण में कमी आना, पारिवारिक संघर्षों, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा में वृद्धि, सड़क दुर्घटनाएं, विभिन्न गुटों में तनाव, अपराधों में बढ़ोतरी, जुआ, वेश्यावृति, ऋणग्रस्तता आदि, पूरा परिवार अपने उस सदस्य की इन आदतों पर शर्म महसूस करता है, समाज में उसकी प्रतिष्ठा पर नकारात्मक असर पड़ता है। वैश्वीकरण ने शराब के सेवन को भी खुलापन दिया है और इसके लिए मारपीट करना आम घटनाएं हो गई हैं। सामान्यत लोग शराब के सेवन को न्यायसंगत बता कर वैधता प्रदान करते हैं, जैसे कुछ लोग अपनी समस्याओं के तात्कालिक निदान के लिए शराब का सेवन करते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से कुछ समय के लिए वे अपनी समस्याओं से छुटकारा पा लेते हैं। यह कैसा अंतर्विरोध है कि राज्य का एक विभाग (आबकारी) इससे राजस्व वसूली के लिए काम करता है और दूसरा (मद्यनिषेध विभाग) नशा मुक्ति अभियानों, विज्ञापनों पर खर्च करता है! सोचा जाना चाहिए कि राजस्व से होने वाला लाभ ज्यादा है या विज्ञापनों और अभियानों पर होने वाला खर्च? भारत एक कल्याणकारी राज्य है और किसी भी राज्य का यह मूल दायित्व है कि वह अपने नागरिकों को एक शिष्ट, सुरक्षित, स्वस्थ और विकासोन्मुखी जीवन पद्धति प्रदान करे। इसलिए राजस्व की परवाह किए बिना नशे के विभिन्न साधनों पर नियंत्रण आवश्यक है।

यहां यह सोचने की जरूरत है कि नुकसान किसमें ज्यादा है? यह भी एक तथ्य है कि नशे का वैश्विक बाजार युवा शक्ति को निर्बल करने का अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र है। अगर शत्रु देश कमजोर है तो हमें हराने, हमारी अर्थव्यवस्था को नष्ट करने या समाज में बिखराव लाने के लिए ड्रग्स का बाजार विकसित करता है। इस संदर्भ में मुंबई और पंजाब का उदहारण लिया जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक पंजाब में 75 फीसद युवा मादक पदार्थों की चपेट में हैं, 67 फीसद घरों में कम से कम एक व्यक्ति इनका सेवन करता है, और हर सात दिन में एक व्यक्ति की नशे से मौत होती है। प्रतिवर्ष धूम्रपान करने से दस लाख लोगों की मौत होती है, जो कुल मौतों का दस फीसद है। 15-29 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों में धूम्रपान की लत बढ़ी है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि छब्बीस फीसद है, वहीं शहरी क्षेत्रों में यह अड़सठ फीसद है। हाल ही में टोरंटो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार भारत में अट्ठारह साल...

सम्पादकीय

दिल्ली में अपराध बेलगाम, कानून-व्यवस्था पर सवालों के घेरे में सरकारें

देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद होती है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की तस्वीर बाकी जगहों के मुकाबले बेहतर होगी और यहां अपराध की दर कम होगी। लेकिन दिल्ली में आज मामूली से लेकर जघन्य अपराधों तक की जैसी तस्वीर दिख रही है, उससे स्पष्ट है कि कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर यहां बहुस्तरीय कमियां हैं। विचित्र है कि अपराधों की दर पर सवाल उठने पर दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच जिम्मेदारियों को एक दूसरे पर थोपने की कोशिश होने लगती है और इस तरह समस्या पर काबू पाने को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। जबकि किसी भी समस्या के हल के लिए सबसे पहले उसकी हकीकत और उसमें अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करना प्राथमिक जिम्मेदारी है। अब केंद्र सरकार ने यह माना है कि दिल्ली में अपराध की स्थिति चिंताजनक है और इससे निपटने के लिए अदालती सुनवाई में तेजी लाने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को इस स्थिति से अवगत कराया कि दिल्ली में पंचानबे खूंखार सक्रिय गिरोहों की पहचान की गई है। पिछले दस वर्षों में पांच हजार दो सौ से ज्यादा अपराध दर्ज किए गए हैं। इनमें हत्या, मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी और जबरन वसूली जैसे गंभीर अपराध भी शामिल हैं। सवाल है कि अगर केंद्र सरकार को समस्या और उसके स्वरूप के बारे में पूरी जानकारी है, तो उस पर काबू पाने के लिए उपाय निकालने की जिम्मेदारी किसकी है। दिल्ली की कानून व्यवस्था और पुलिस महकमे की जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास है। ऐसे में जवाबदेही से बचने या आरोप-प्रत्यारोप के बजाय जरूरत इस बात है कि अपराधियों के बीच खौफ पैदा करने के लिए पुलिस प्रशासन को सक्रिय और चौकस रखना सुनिश्चित करने के समांतर ही शासन के अन्य मोर्चों पर ठोस सुधार किए जाएं, ताकि समाज में आपराधिक प्रवृत्तियों पर लगाम लगाई जा सके। इसमें दर्ज अपराधों की अदालत में सुनवाई में तेजी एक जरूरी पहलू है। मुकदमों के अत्यधिक बोझ की वजह से ज्यादातर मामलों की सुनवाई में देरी होती है। जाहिर है, कानून और व्यवस्था के मोर्चे पर पूरी जवाबदेही के साथ-साथ इस समस्या के लिए समर्पित न्यायालय परिसरों की जरूरत है, ताकि सुरक्षा उपायों पर बेहतर नियंत्रण और त्वरित सुनवाई में मदद मिल सके।

उम्मीदों की सुबह

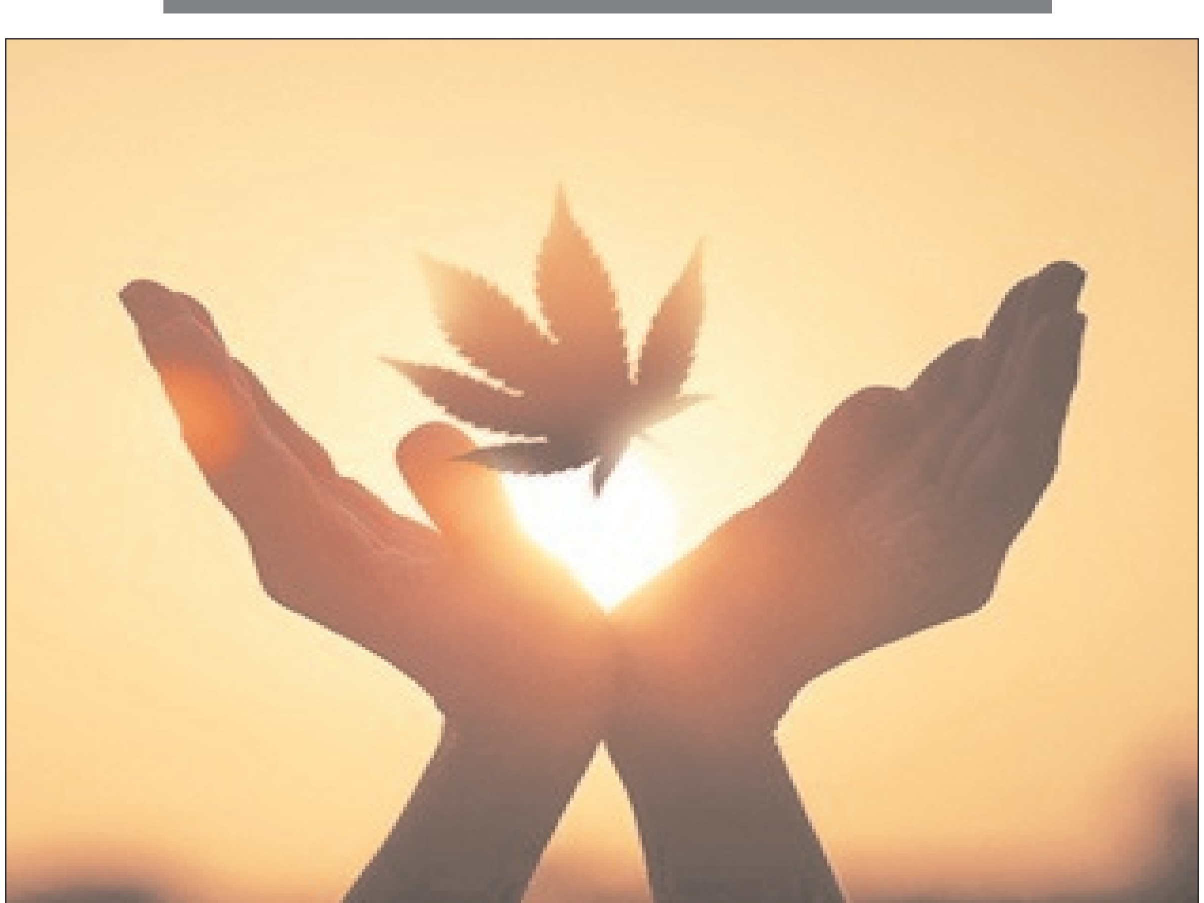

वक्त की तुलना मुट्ठी से फिसलती हुई रेत से क्यों की गई है? इस बात का अहसास हमें हर बीतता हुआ साल करवाता रहता है। साल की आखिरी रात को कैलेंडर का एक और साल बीत चुका होगा और उसके बाद हम एक नए साल में प्रवेश करने जा रहे होंगे। नया साल हमेशा संभावनाओं और सपनों से भरा साल होता है। बीते हुए साल में हमने जहां बहुत कुछ पाया होता है, तो वहीं अपनी गलतियों के चलते बहुत कुछ खोया भी होता है। इसलिए नया साल सिर्फ एक जश्न मनाने का मौका ही नहीं होता है। ये समय एक बार जीवन में ठहरकर, पीछे मुड़कर यह देखने का समय भी होता है कि पिछले साल हमने कौन सी गलतियां की थी? उनके पीछे क्या कारण रहे थे? यह सब इसलिए कि हमें यह पता चल सके कि बीते साल हम क्या सोचकर चले थे और कहां तक पहुंचे हैं। हमारे समाज में बीत गई बातों को दोबारा से याद करने की परंपरा नहीं रही है, क्योंकि कहा जाता है कि बीती बातों को याद करना एक मूर्खता है। लेकिन उस बीते हुए समय का मूल्यांकन तो किया ही जा सकता है। इसलिए नया साल केवल नए सपनों का साल भर नहीं होता है। यह समय रुक कर अपना आकलन करने का भी होता है, ताकि आने वाले साल को और ज्यादा बेहतर और खूबसूरत बनाया जा सके। पिछले साल ही शुरू हुए रूस और यूक्रेन के युद्ध ने दुनिया के सभी देशों को प्रभावित किया। आज हम सब आज जिस महंगाई से परेशान हैं, उसमें इस युद्ध की भी बड़ी भूमिका रही है। इस युद्ध ने हम सभी को इस बात का दोबारा से अहसास करा दिया कि युद्ध दुनिया के किसी भी कोने में हो, उसका अंजाम हमेशा जनता को ही भुगतना पड़ता है। युद्ध तो एक समय के बाद समाप्त हो जाता है। पर उसके दिए दंश कई परिवार पीढ़ियों तक नहीं भूल पाते हैं। इसलिए हमें आशा करनी चाहिए कि राजनेताओं को जनता के इस दर्द का अहसास होगा और 'अहं' की यह लड़ाई जल्द समाप्त होगी और नए साल में दुनिया से कोई अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। इन सबके बीच भी समय चाहे अच्छा हो या बुरा हो, वह अपनी गति से आगे ही बढ़ता रहता है, क्योंकि उसे रोकना किसी के लिए संभव नहीं है। बस ये तो हम लोग ही होते हैं जो समय को अच्छे और बुरे के खांचे में बांधने का काम करते हैं। इसलिए कहना गलत नहीं होगा कि समय हर किसी के लिए कभी एक जैसा नहीं हो सकता है। कोई उसी समय में अपने जीवन को बदल कर रख देता है, तो कोई उसी समय को कठिन मानकर बीतने के इंतजार में बैठ जाता है। इसलिए जरूरत है कि हमारे सामने जैसा भी समय आए, उसमें अपने प्रयास हमेशा जारी रखने चाहिए। समय के ऊपर वही लोग विजय पाते हैं, जो कठिन समय में भी चलने की आदत बना लेते हैं, ताकि जब कभी हम बीते समय को दोबारा से याद करें तो हमारे मन को एक अच्छा अहसास हो।

ज्ञान की घुमक्कड़ी

लेकिन कुछ पाने के लिए हमें कुछ खोना भी पड़ता है। अगर हम अपनी चारदिवारी में मिलने वाली सभी सुख-सुविधाओं, सुरक्षा और आराम को छोड़ कर बाहर नहीं निकल पाएंगे तो हम बाहर घूमने के आनंद से हमेशा ही वंचित रह जाएंगे। तो बाहर घूमने जाया ही क्यों जाए? उधर-उधर घूमने या भटकने से आखिर हमें हासिल क्या होगा? इससे हमारे जीवन में या औरों के जीवन में क्या कोई बदलाव आएगा? आइए हम इसपर विचार करें। जब हम कहीं घूमने निकलते हैं तो हमें बहुत सारी नई चीजें देखने को मिलती हैं।

आज के समय में जब हवाई जहाज हमें दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने में कुछ घंटों में ही पहुंचा देते हैं तो पीछे मुड़ कर देखने पर यकीन नहीं होता कि कभी ऐसा वक्त रहा होगा कि यात्रा के लिए लोगों के पास साइकिल तक नहीं होती थी। आखिर साइकिल भी आधुनिक युग की देन है। जमीन पर घोड़े और ऊंट और पानी में नावों से ही काम चलाना पड़ता था। वह भी तमाम मुसीबतों और दिक्कतों का सामना करते हुए। लेकिन यह भी कमाल की बात है कि इंसान घूमने के मामले में इतना जुनूनी रहा है कि उसने सुख-सुविधाओं की तो बात ही क्या, साधनों के अभाव की भी रत्ती भर परवाह नहीं की। हिमालय की दुर्गम यात्रा करने वालों, सुदूर एशिया और अफ्रीका के रहस्यों को खोजने वालों और भूमध्यसागर के तूफानों से टकराने वाले हजारों-लाखों यात्रियों ने अपनी जान तक गंवा दी होगी, लेकिन उनके कदम रुके नहीं। इस तरह दुनिया के लोगों ने जाना कि धरती के अलग-अलग हिस्सों में क्या है।

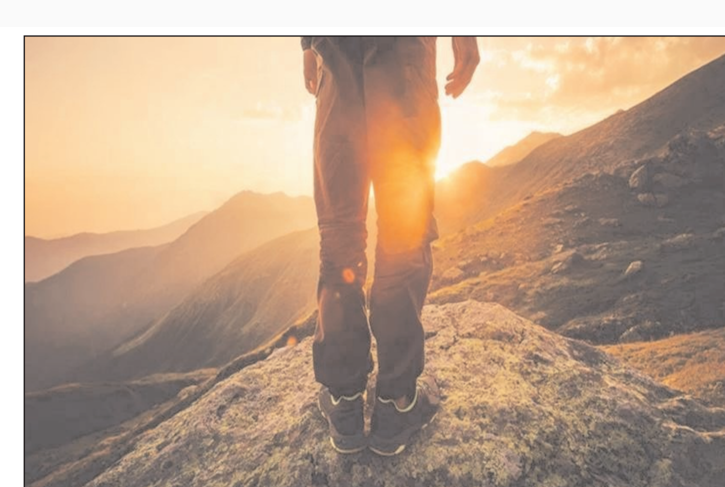

लेकिन ऐसा नहीं है कि सभी इंसान हमेशा से घुमक्कड़ ही रहे हैं। अधिकतर लोगों ने अपने इलाके से बाहर निकलना कभी पसंद नहीं किया। इसके पीछे उनकी भीरुता भी रही और डर भी। जाहिर है, किसी नए अनजान जगह की यात्रा पर निकलना एक जोखिम उठाना ही है। न जाने वहां के लोग कैसे हों, वहां के जीव-जंतु कैसे हों, वहां की जलवायु कैसी हो! और खाना-पीना और पहनावा तो एक समस्या है ही, क्योंकि जब भी हम किसी नई जगह पर जाते हैं तो हमें उस स्थान के हिसाब से ही पहनना-ओढ़ना पड़ता है और उस इलाके में पाई जाने वाली साग-सब्जियों और अनाजों पर ही निर्भर होना पड़ता है। शायद इंसान इतनी आजादी खोना नहीं चाहता। लेकिन कुछ पाने के लिए हमें कुछ खोना भी पड़ता है। अगर हम अपनी चारदिवारी में मिलने वाली सभी सुख-सुविधाओं, सुरक्षा और आराम को छोड़ कर बाहर नहीं निकल पाएंगे तो हम बाहर घूमने के आनंद से हमेशा ही वंचित रह जाएंगे। तो बाहर घूमने जाया ही क्यों जाए? उधर-उधर घूमने या भटकने से आखिर हमें हासिल क्या होगा? इससे हमारे जीवन में या औरों के जीवन में क्या कोई बदलाव आएगा? आइए हम इसपर विचार करें। जब हम कहीं घूमने निकलते हैं तो हमें बहुत सारी नई चीजें देखने को मिलती हैं। और हम जितनी ही दूर जाते हैं उतनी ही अलग अलग तरह की चीजें हमारी निगाहों से गुजरती हैं। जैसे कि हम पाते हैं कि वहां घर और मकान अलग-अलग तरह के हैं। लोगों की भाषाएं अलग हैं और वे अलग-अलग परम्पराओं से जुड़े हुए हैं। उनके व्यवहार और तीज त्योहारों में भी हमें काफी भिन्नता देखने को मिलती है। लोगों के कपड़ों में भी हमें बड़ा अंतर दिखाई देता है। नए इलाकों में रहने वाले जानवरों, कीटों और पक्षियों में भी काफी भिन्नता पाई जाती है। यहां तक कि मौसम और जलवायु में भी हमें बहुत बदलाव नजर आता है।

अगर हम एक लंबी यात्रा पर थोड़ी संजीदगी के साथ निकलें तो हम पाएंगे कि हमने इतना कुछ बिना पढ़े ही जान सीख लिया है, जिसके लिए शायद हमें कई किताबों को पढ़ने की जरूरत होती। उदाहरण के लिए, अगर हम कश्मीर की एक लंबी यात्रा पर निकलें और वहां के लोगों से मिलते-जुलते कुछ दिन वहां रहें तब ऐसे में हमें वहां कितना कुछ जानने को मिलेगा, इसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। उस इलाके में कृषि यानी खेती कैसे की जाती है और किस-किस तरह के फल-फूल वहां पाए जाते हैं, वहां के किसानों की समस्याएं क्या हैं, वहां के युवा क्या सोचते हैं और भविष्य में क्या करना चाहते हैं आदि।

इसके अलावा, वहां के मौसम और जलवायु के बारे में न केवल हम जान सकते हैं, बल्कि उसे गहराई से अनुभव भी कर सकते हैं। वहां के लोगों के जरिए हम उस इलाके की संस्कृति और मान्यताओं के बारे में भी काफी कुछ जान सकते हैं। उनके कपड़े-गहने, रहने के तौर-तरीके, उनकी रोज की जिंदगी की बारीकियां आदि बहुत कुछ है जो हमें ज्ञान और समझ के मामले में अधिक संपन्न कर सकता है। हर इलाके का अपना एक लोकरंग भी होता है। वहां का नृत्य, गायन, वाद्य, नाट्यशैलियां, काव्य और साहित्य, चित्रकला आदि बहुत कुछ हमें वहां के वातावरण में इधर-उधर बिखरा नजर आएगा और जिसे हम खुद देख कर अनुभूत कर सकते हैं। इन सब चीजों के बारे में जानना जाहिर है, हमारे ज्ञान में बहुत कुछ जोड़ सकता है।

करण जौहर लेकर आ रहे नागों वाली फिल्म, कार्तिक बनेंगे इच्छाधारी नाग

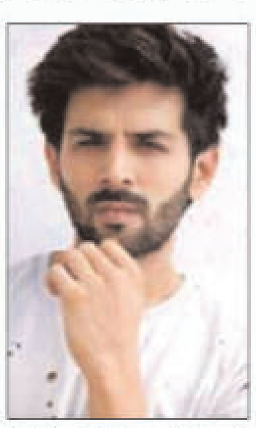

आपने इच्छाधारी नाग-नागिनों वाली कहानियां तो कई सुनी होंगी। कई फिल्में और टीवी सीरियल भी इसी कॉन्सेप्ट पर देखने को मिले हैं। फिर वो चाहें श्रीदेवी की फिल्में 'निगाहें' और 'नगीना' हों या फिर टीवी पर आया एकता कपूर का सुपरहिट शो 'नागिन'। अब एक बार फिर इसी कॉन्सेप्ट पर बनी एक फिल्म आ रही है। जिसका निर्माण करण जौहर कर रहे हैं। फिल्म का नाम है नागजिला। इस फिल्म से बॉलीवुड को एक नया इच्छाधारी नाग भी मिलने जा रहा है। करण जौहर ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है।

कार्तिक बनेंगे इच्छाधारी नाग

निर्माता-निर्देशक करण जौहर अब धर्मा प्रोडक्शन की अबतक की फिल्मों से अलग हटकर एक नई तरह की फिल्म लेकर आ रहे हैं। इच्छाधारी नाग की कहानी पर आधारित उनकी नई फिल्म है 'नागजिला'। करण ने आज इस फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की घोषणा कर दी है और इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन इच्छाधारी नाग की भूमिका में दिखाई देंगे। करण ने जो पोस्टर जारी किया है उसमें नीली जींस पहने शर्टलेस कार्तिक आर्यन दूसरी तरफ मुंह करके खड़े हैं। वो सांपों से भरे घर से शहर को देखते हुए नजर आ रहे हैं। उनके आस-पास सिर्फ सांप ही सांप हैं और उनके ऊपर भी सांप लिपट रहे हैं। इस वीडियो पोस्टर में कार्तिक आर्यन की आवाज में वॉइस ओवर है। जिसमें कार्तिक कहते हैं, इच्छाधारी नाग। रूप बदलने की शक्ति रखने वाले सांप, जैसे कि मैं प्रियमवदेश्वर प्यारे चंद, उम्र 631 साल। इंसानों वाली फिक्रें तो बहुत देख लीं, अब देखो नागों वाली फिक्र। इसके साथ ही कार्तिक का नाम लिखकर आता है और फिल्म का नाम 'नागजिला - नागलोक का पहला कांड'।

तापसी कैसे बनीं फिल्म गांधारी का हिस्सा? राइटर कनिका ने साझा की वजह

तापसी पन्नू ने अपने अब तक के करियर में कई महिला प्रधान फिल्में की हैं। वह थप्पड़ जैसी महिला प्रधान फिल्म का हिस्सा रहीं, इस फिल्म में गंभीरता से महिला मुद्दों को उठाया गया था। जल्द ही वह फिल्म 'गांधारी' में भी एक चुनौतीपूर्ण किरदार करने वाली हैं। इस फिल्म और किरदार के लिए तापसी का चयन कैसे हुआ? इस बारे में प्रोड्यूसर, राइटर कनिका ढिल्लों ने हाल ही में विस्तार से बताया।

क्या है फिल्म की कहानी

हालिया बातचीत में कनिक ढिल्लों कहती हैं, 'फिल्म गांधारी एक बदले की कहानी है, साथ ही इसमें एक मां और बच्चे की प्यार भरे रिश्ते की कहानी भी शामिल है। एक मां अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जा सकती है, यही फिल्म हमारी फिल्म की स्टोरी लाइन है।'

तापसी का चयन क्यों हुआ

कनिका आगे बताती हैं, 'तापसी काफी समय से एक एक्शन जॉनर की फिल्म करना चाहती थीं। ऐसे में वह हमारी फिल्म की कहानी के साथ फिट

बैठ रही थीं। सबकुछ जैसे सही समय पर हो गया। तापसी को भी फिल्म 'गांधारी' की कहानी, इसकी भावनाएं पसंद आईं।' हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी है, इससे जुड़ी कुछ तस्वीरें तापसी पन्नू ने भी अपने इंस्टाग्राम पर साझा की थीं। तापसी इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं।

फिल्म कब होगी रिलीज

फिल्म 'गांधारी' को कनिका कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। फिल्म इस साल ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। तापसी इसमें एक अंधी महिला के किरदार में नजर आएंगी।

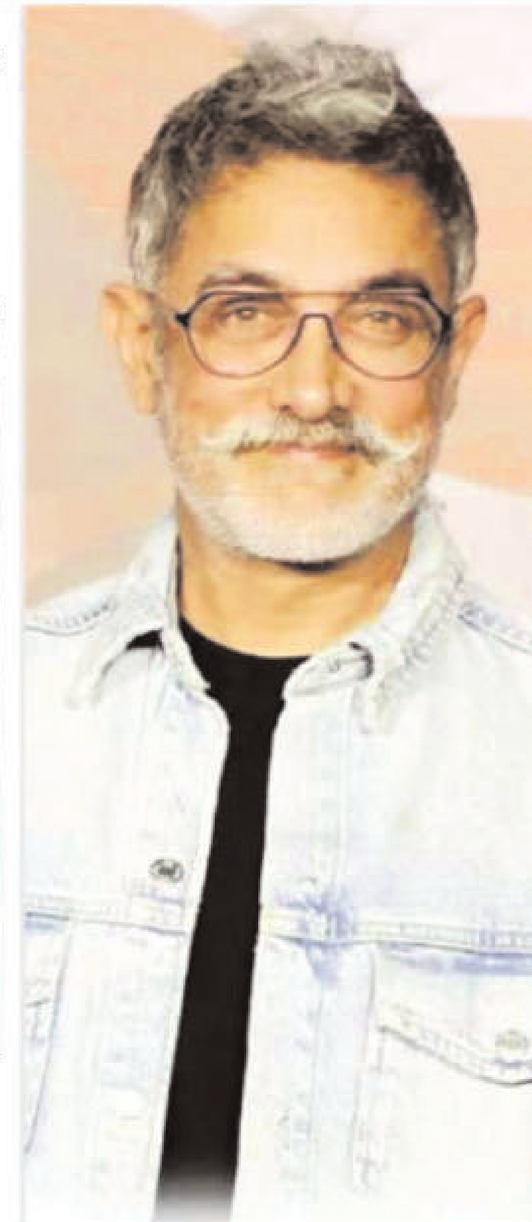

हिंदी सिनेमा की मौजूदा हालत पर बोले आमिर खान

हिंदी सिनेमा पिछले कुछ वक्त से बुरे दौर से गुजर रहा है। बॉक्स ऑफिस पर हिट फिल्मों की तुलना में फ्लॉप फिल्में ज्यादा आ रही हैं। हिंदी सिनेमा के मुकाबले क्षेत्रीय फिल्में अच्छा कर रही हैं। इस पर मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने अपनी बात रखी है। आमिर खान ने कहा है कि हिंदी फिल्मों में सुधार की गुंजाइश है।

बॉलीवुड फिल्मों में बेहतर करने की गुंजाइश है

आमिर खान ने हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत में कहा हम नहीं कहते कि हम बेहतर फिल्म निर्माता नहीं हो सकते। मेरे विचार से फिल्म निर्माता के तौर पर हमारे पास सुधार की बहुत गुंजाइश है। हमने कई इंडस्ट्रीज से सीखा है। आमिर के मुताबिक अगर आप 70 और 80 के दशक की फिल्मों को देखें तो उसके बाद से फिल्में और बेहतर हुई हैं ऐसे में अगर मेहनत की जाए तो और बेहतर हो सकती हैं। आमिर ने कहा जब हम 1988 में आए थे तो उस वक्त फिल्मों की संख्या बहुत कम थी। उसके बाद से हमने तरक्की की है। 90 के दशक के बाद जब 2000 आया तो दर्शक बदल गए। वह बहुत खुले हुए और दूसरी तरह की सामग्री देखना चाहते थे।

एक अच्छी फिल्म बना लूं यही बहुत है

आमिर से पूछा गया कि वह बॉलीवुड की मौजूदा हालत को बदलने के लिए क्या करना चाहते हैं? इस पर उन्होंने कहा मैं बस वही करना चाहता हूं जो मैं कर रहा हूं और वही कहानियां बताना चाहता हूं जिन पर मेरा यकीन है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो अपने बारे में कोई बड़ी राय रखता हो कि मैं चीजों को बदल सकता हूं। मैंने कभी अपने बारे में ऐसी राय नहीं रखी। फिल्म बनाना बहुत मुश्किल है। मैं एक फिल्म ही अच्छे से बना लूं वही मेरे लिए बड़ी बात है।

सितारे जमीन पर में नजर आएंगे आमिर खान

आपको बता दें कि आमिर खान अपनी आने वाली फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म तारे जमीन पर की सीक्वल है। फिल्म में आमिर खान का किरदार एक बॉस्केटबॉल कोच का है। फिल्म विकलांग लोगों पर आधारित है। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी हैं।

'लापता लेडीज' का बुलबुला फूटने का दिखा सीधा असर, कहां अटकी प्रतिभा रांटा की अगली फिल्म

अब जबकि ये साफ हो चुका है कि आमिर खान ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी की फिल्म 'लापता लेडीज' को ऑस्कर तक पहुंचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाया और फिल्म की कास्ट को भी इस फिल्म के ऑस्कर के लिए भारत की तरफ से भेजे जाने की खबर पहले ही लग चुकी थी, तो इस फिल्म का पूरा हाइप झाग की तरह नीचे बैठ गया है। फिल्म की निर्देशक किरण राव की कोई अगली फिल्म अब तक घोषित नहीं हुई है।
वैसे तो ऑस्कर तक चक्कर लगा आई आमिर खान की कंपनी की फिल्म 'लापता लेडीज' के कलाकार आईफा अवार्ड्स में नजर आने के बाद फिर से अपने अपने काम में लग गए हैं। फिल्म के हीरो स्पर्श श्रीवास्तव फिर से वेब सीरीज पर लौट आए हैं। उनकी नई वेब सीरीज 'दुपहिया' की तारीफ भी खूब हो रही है। अनुपम खेर की कमाल की फिल्म 'सिग्नेचर' से फिल्म निर्माण में वापसी करने वाले निर्माता के सी बोकाडिया ने स्पर्श श्रीवास्तव को लेकर साउथ सिनेमा की एक चर्चित फिल्म की रीमेक बनाने का प्लान बनाया था, लेकिन 'लापता लेडीज' पर लगे दाग के बाद वह भी इस योजना को तिलांजलि देने का मन बना चुके हैं। वहीं फिल्म में जया त्रिपाठी और पुष्पा रानी नामों के साथ दो अलग अलग पहचाने जीने वाली अभिनेत्री प्रतिभा रांटा पर इन दिनों सबकी नजर है। लेकिन, उनकी अगली फिल्म की आधिकारिक रिलीज का एलान न होने से वह भी परेशान हैं। जानकारी के मुताबिक, प्रतिभा रांटा ने फिल्म 'लापता लेडीज' के तुरंत बाद अपनी अगली फिल्म अनुभूति कश्यप के निर्देशन में शुरू की थी। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा भी एक अहम भूमिका में है। फिल्म की शूटिंग खत्म हुए करीब चार महीने पूरे होने को है, पर न तो अब तक फिल्म का नाम सामने आया है और न ही इसकी रिलीज डेट।

चिरंजीवी के साथ फिल्म करेंगे नानी

नानी की फिल्म हिट 3 रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म की रिलीज से पहले नानी ने साउथ निर्देशक से साथ मिलाया है। इस फिल्म में नानी के साथ चिरंजीवी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। जब एक इंटरव्यू में नानी से चिरंजीवी और ओडेला की फिल्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसे खास अनुभव बताया और चिरंजीवी के व्यवहार की तारीफ की। खबर के मुताबिक, नानी ने कहा, मैं चिरंजीवी गारू से कई बार मिला, लेकिन इस बार खास था। उन्होंने पहले खाना खाने को कहा। मैंने सुझाव दिया कि चिरंजीवी और श्रीकांत को फिल्म करनी चाहिए। वे मेरे आइडिया से खुश हुए। अभी उस फिल्म के बारे में ज्यादा बात करना जल्दबाजी होगी।

स्टारडम को सोचकर फिल्में नहीं चुनता

मलयालम सिनेमा के जाने-माने स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन ने हिंदी के दर्शकों के दिलों में भी अपनी खास जगह बनाई है। प्रभास के सलार में उन्हें बहुत पसंद किया गया। आडुजीवितम- द गोट लाइफ में उनके किरदार और इसके लिए उनकी मेहनत को देख खूब तालियां बजाई गईं। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही वह एक सफल डायरेक्टर भी हैं। उन्होंने बतौर डायरेक्टर अपनी डेब्यू फिल्म लूसिफर (2019) से सफलता के रेकॉर्ड बनाए। अब इसके सीक्वल और सुपरस्टार मोहनलाल स्टारर एल 2- एम्पुरान से उन्होंने मलयालम सिनेमा को अब तक की सबसे बड़ी हिट दी है। पृथ्वीराज कहते हैं कि एक्टिंग उनका पहला प्यार है। फिर चाहे कल को पैसा मिले या ना मिले, वह एक्टिंग करते रहेंगे। डायरेक्टर वह बस पार्ट टाइम के तौर पर बने हैं।

आप एक्टिंग के महारथी हैं, ऐसे में लूसिफर से डायरेक्शन में कैसे उतरे? एक्टिंग और डायरेक्शन में से ज्यादा संतुष्टि किसमें मिलती है?

मैं मूल रूप से एक्टर हूं। मेरा मेन क्राफ्ट एक्टिंग है। डायरेक्टर मैं पार्ट टाइम हूं। हालांकि, मेरा मानना है कि सिनेमा रूपी आर्ट फॉर्म में सबसे ज्यादा क्रिएटिविटी आप डायरेक्शन में ही कर पाते है, क्योंकि आखिर में डायरेक्टर ही तय करता है कि ऑडियंस क्या देखने वाली है। रचनात्मकता का यह हाई पॉइंट मैं एंजॉय करता हूं। मुझे फिल्म से जुड़े फैसले लेने की इस आजादी में मजा आता है, लेकिन मुझे पक्का यकीन है कि मैं यह लगातार नहीं कर सकता। मैं एक एक्टर हूं और मुझे सेट पर रोज एक किरदार को निभाने में मजा आता है। डायरेक्शन कभी-कभार के लिए ठीक है, क्योंकि जिस तरह से मैं फिल्म बनाता हूं, मुझे बहुत वक्त लगता है।

मलयालम सिनेमा अपने कॉन्टेंट के लिए जाना जाता है, मगर एल 2- एम्पुरान में जैसे भव्य सीन आपने फिल्माए हैं, वो अमूमन तेलुगू-तमिल फिल्मों में देखने को मिलते हैं। क्या यह मलयालम सिनेमा को भी ग्लोबल बनाने की ओर एक कदम है?

ये भव्यता या विजुअल अपील जो कहानी पेपर पर लिखी है, उसका बाय-प्रोडक्ट है। ऐसा नहीं है कि मैंने सोचा कि मुझे एक भव्य फिल्म बनानी है, फिर उस हिसाब से यहां-वहां सीन शूट किया। यह स्केल और विजुअल लैंग्वेज कहानी के आधार पर तय हुई है। यह कहानी वैसी है कि फिल्म को बहुत सारे लोकेशन पर शूट करना इसकी मांग थी। इसकी मांग थी कि यह भव्य दिखे। बस, मेरा तरीका यह है कि मैं रियल लोकेशन में शूट करने में यकीन रखता हूं। मैं कंप्यूटर ग्राफिक्स का कम से कम इस्तेमाल करना पसंद करता हूं। मेरी कोशिश रहती है कि जितनी चीजें हम रियल कर सकें, वो करें। हालांकि, इसमें ज्यादा मेहनत लगती है, मगर इस फिल्म में भी मैंने ज्यादातर लोकेशन, विजुअल्स और स्टंट्स रियल रखे हैं, क्योंकि उसका प्रभाव अलग होता है।

आपने बताया था कि आप सुपरस्टार रजनीकांत को डायरेक्ट करने का मौका चूक गए। क्या आगे उन्हें डायरेक्ट करना चाहेंगे? वहीं, मोहनलाल जैसे स्टार को डायरेक्ट करने का अनुभव कैसा रहा?

निश्चित तौर पर मैं कभी ना कभी रजनीकांत सर को डायरेक्ट करना चाहूंगा, लेकिन यह तभी होगा, जब कोई ऐसी कहानी मिले जो मुझे लगे कि हां, यह रजनीकांत सर को डिजर्व करती है। वहीं, मोहनलाल सर हमारे सबसे बड़े स्टार हैं, लेकिन सेट पर वह इस बात को भूलना बहुत आसान बना देते हैं। वह खुद को डायरेक्टर और कहानी के प्रति पूरी तरह समर्पित कर देते हैं कि आपको बस किरदार याद रहता है। आप ये भूल जाते हैं कि वह कितने बड़े स्टार हैं। दूसरे, वह बहुत ही गिफ्टेड अभिनेता हैं, तो उससे भी बहुत मदद मिलती है। एल 2 उनके साथ मेरी तीसरी फिल्म है। बतौर डायरेक्टर मेरी तीनों फिल्मों में वह लीड एक्टर हैं और यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सौभाग्य है कि मैं उन्हें तीन फिल्मों में डायरेक्ट कर पाया।

आपने कई साल पहले अय्या और हाल ही में बड़े मियां छोटे मियां जैसी हिंदी फिल्में कीं। इन फिल्मों को चुनने का अप्रोच क्या रहता है?

मैं खुशनसीब हूं कि मेरी कहीं पर भी किसी तरह की इमेज नहीं है। मलयालम में भी लोगों को ये आदत पड़ चुकी है कि मैं कुछ भी कर सकता हूं। जो लोग मेरी फिल्मोग्राफी को फॉलो करते हैं, वे जानते हैं कि मेरा कोई सेट पैटर्न नहीं है। मैं जैसी फिल्में करता हूं, आप ये अनुमान नहीं लगा सकते कि मैं अगली फिल्म क्या करूंगा। मैं बस अपने दिल की सुनता हूं। जो स्क्रिप्ट मुझे वह पसंद आती है और मुझे लगता है कि वह अलग तरह की फिल्म है, भले मैं उसमें विलन हूं, मगर मुझे पसंद हो तो मैं करूंगा। मैंने कभी यह सोचकर फैसला नहीं लिया कि इससे मेरे स्टारडम पर क्या असर पड़ेगा। यह मेरा पैरामीटर कभी नहीं रहा।

आने वाले दिनों में आप करण जौहर की सरजमीं और राजामौली की अगली फिल्म भी कर रहे हैं। वे कितनी मायने रखती हैं?

मैं सभी कमाल के फिल्म मेकर्स के साथ काम करना चाहता हूं, मगर यह वे फिल्में हैं जो ऑफिशली अनाउंस नहीं हुई हैं। अभी भी उनको लेकर चर्चा चल रही है कि आगे कैसे बढ़ना है, तो एक बार जब कंफर्मेशन आ जाएगी तब उसके बारे में बात करेंगे।

फसलों के बीज जनित रोग का नियंत्रण आवश्यकता

सुरेश कुमार वर्मा विद्यावाचस्पति छात्र, पादप रोग विज्ञान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर जयपुर - 303329

बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
	सस्य फसलें		
1	धान	बाविस्टिन /थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 / 1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाविस्टिन /थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाविस्टिन /थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाविस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाविस्टिन /थायरम	2 / 2
	शाक दृ सब्जियाँ		
1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाविस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाविस्टिन	2
5	गोभी	बाविस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाविस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाविस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाविस्टिन	2

बीज की सफाई

बीज के साथ मिश्रित उसी फसल के तने, शाखा, फल्लियों, पत्तियों के टुकड़े तथा मिट्टी के कण पाये जाते हैं इन अवांछित भागों पर रोगकारक फफूंदियों जीवाणुओं के संक्रमण भाग उपस्थित हो सकते हैं, किसान हाथ द्वारा बीज को साफ करके रोगजनक के प्राथमिक स्त्रोत को नष्ट कर सकते हैं जैसे-गेंहू की टुंडू बीमारी के कॉकिल्स, अलसी रस्ट में संक्रमित भागों को तथा बाजरा के अर्गट में स्क्लेरोशिया को हाथ से निकालकर नष्ट किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीजोपचार, बी जनित रोगों की रोकथाम का सबसे सस्ता व सरल उपाय है, बीजोपचार का मुख्य उद्देश्य बीज तथा भूमि में उपस्थित रोगजनकों से बीज की रक्षा करना है, बीजोपचार की निम्नलिखित विधियाँ हैं:

भौतिक विधियां

बीजोपचार की भौतिक विधियां प्राचीनकाल से ही प्रचलित है, 1670 में गेहूँ से भरे जहाज में समुद्र का खारा पानी भर गया जब इस गेहूँ को पुनः सुखाकर बीज के रूप में बोया तब यह पाया गया कि उनसे उगे गेहूँ के पौधे बदबूदार कण्डवा रोग से ग्रस्त नहीं हुये रेमनेन्ट ने सन 1637 में नमक को बीजोपचारक रूप में प्रयोग कर गेहूँ के कण्डवा रोग की रोकथाम की इसी प्रकार प्राचीनकाल से ही यह प्रचलित है कि बोने से पूर्व बीज को सूर्च की तेज धूप में सुखाया जाये और फिर बोया जायें

सूर्यताप द्वारा बीजोपचार

बीज के आंतरिक भाग में (भ्रूण) में रोगजनक को नष्ट करने के लिए रोगजनक की सुषुप्तावस्था को तोड़ना होता है जिसके बाद रोगजनक बिल्कुल

इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्येश ने सर्वप्रथम गेंजू के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिंगटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेनोमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रोसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बेन्डाजिम, बीटावैक्स, बेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं, बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे-जड़ गलन, अर्द्गलन, उकठा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, बैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता है:

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें पिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हों, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थों से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिएं यदि किसान भाई 'आधार बीज' का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये 'प्रजनक बीज' की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई 'प्रमाणित बीज' का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये 'आधार बीज' बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाविस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाद राइजोबियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे-अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्व क निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नही चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुर्रीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भांति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्च के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्यात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

एल्मुनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।

■ चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम जिंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आनेजाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।

■ खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलबदल कर विषाक्त चाराए चूहेदानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

■ पुराना अनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर दें ए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।

■ अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।

तनिष्क ने अक्षय तृतीया के लिए नाजुक कुंदन कलेक्शन में प्रस्तुत की सबसे बेहतरीन कारीगरी

भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा परिवार का एक हिस्सा, तनिष्क ने अक्षय तृतीया के लिए अपना नया कुंदन स्टोरीज़ कलेक्शन प्रस्तुत किया है। बहुत ही खास डिज़ाइन और बेजोड़ कारीगरी के ज़रिए सोने की कारीगरी का सम्मान इस कलेक्शन में किया गया है। अक्षय तृतीया और समर वेडिंग सीज़न नज़दीक आ रहे हैं, हाथों से बनाए गए नाजुक मास्टरपीसेस प्रस्तुत करने की तनिष्क की प्रतिबद्धता यह कलेक्शन रेखांकित करता है। आधुनिक शान और विरासत का मिलाप इसमें पाया जा सकता है। भारतीय महिलाओं के जीवन में खास दिनों की खूबसूरती और जश्न के अनुरूप बनाए गए डिज़ाइन प्रस्तुत करके उनके सफर का अटूट हिस्सा बनना तनिष्क का लक्ष्य है। भारत की विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत और तनिष्क महिला से प्रेरणा लेते हुए, कुंदन स्टोरीज़ कलेक्शन का हर आभूषण हाथों से 200 घंटों तक बनाया गया है, बेजोड़ कारीगरी और विश्वास की तनिष्क की विरासत को दर्शाता है। इस कलेक्शन में राजसी कुंदन डिज़ाइन हैं, टक्कर का काम, तलफ, घुंगरू बंचिंग, वायर वर्क, पर्ल बंचिंग और डाई-स्टाम्पिंग टेक्निक इसमें इस्तेमाल किए गए हैं। परंपरा और आधुनिक रिफाइनमेंट का सही संतुलन इस कलेक्शन में बखूबी किया गया है। अक्षय तृतीया की जड़ें सांस्कृतिक परंपराओं में गहरी जड़ी हैं, शुभारंभ के इस त्यौहार में विरासत, परंपरा को कारीगरी और दीघकालीन मूल्य के साथ जोड़ने वाले आभूषणों की मांग बढ़ती जाती है। आज के दौर में उपभोक्ता अनोखे सोने के आभूषणों को पसंद करने लगे हैं, यह कलेक्शन ज़िंदगी भर याद रखे जाने वाली खुशियों का हिस्सा बनेगा, समृद्धि और कालातीत शान का प्रतीक बनेगा। समर वेडिंग सीज़न नज़दीक आ रहा है, कुंदन स्टोरीज़ कलेक्शन आधुनिक भारतीय दुल्हन की भावनाओं को बखूबी समझता है, इसमें पारंपरिक खूबसूरती और आधुनिक शान का मिलाप है। वेडिंग सीज़न में कुंदन आधुनिक दुल्हन की पसंद बनेगा, ब्रांड की उच्च गुणवत्तापूर्ण नाजुक डिज़ाइन कालातीत खूबसूरती को दर्शाती हैं। तनिष्क ने सोने के आभूषणों की बेहतरीन कारीगरी में नए मानक प्रस्तुत करना जारी रखा है, परंपरा और नवाचार का फ्यूजन चाहने वाली दुल्हनों का यह पसंदीदा ब्रांड है। तनिष्क की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर पेल्कि त्शेरिंग ने कहा, "तनिष्क में हर आभूषण एक कहानी है, कारीगरों ने अपने हाथों से बनाए हुए यह आभूषण तनिष्क महिला की सोच और पसंद से प्रेरित हैं। नयी शुरूआत के इस सीज़न के लिए हमारा कुंदन स्टोरीज़ का नया कलेक्शन आधुनिक शान और विरासत के मिलाप को दर्शाता है, पारंपरिक कला की खूबसूरती का जश्न मनाता है और तनिष्क महिला की आज की दुनिया के लिए आभूषणों की नयी परिभाषा रचता है। आज ज़्यादा से ज़्यादा ग्राहकों को सार्थक और हाई-वैल्यू आभूषण पसंद आ रहे हैं, हमारे बेस्ट गोल्ड रेट और पुराने सोने को एक्सचेंज करने की योजनाओं को काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। 1 लाख से भी ज़्यादा दुल्हनों ने शादी के आभूषणों के लिए हमें चुना है - यह विश्वास हमारी संपत्ति है, आपकी ज़िंदगी के खास पल आपके लिए जितने अर्थपूर्ण हैं उतने ही अर्थपूर्ण आभूषण बनाना हम आगे भी जारी रखेंगे।" त्यौहारों के लिए की जा रही खरीदारी के अनुभव को और भी शानदार बनाने के लिए तनिष्क ने बेहतरीन ऑफर की घोषणा की है, इसमें सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस और डायमंड ज्वेलरी वैल्यू पर 20% तक की छूट और सोने की खरीदारी पर हर ग्राम में 101 रुपयों की खास छूट दी जा रही है। ग्राहकों को गोल्ड रेट प्रोटेक्शन के लाभ भी मिल सकते हैं, जिसके लिए उन्हें एडवांस में बुकिंग करनी होगी, इस तरह से वे सोने की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी से बच सकते हैं। इसके अलावा, तनिष्क में आप किसी भी ज्वेलर से ख़रीदे हुए, पुराने सोने पर पा सकते हैं 100% एक्सचेंज वैल्यू, इस ऑफर के साथ तनिष्क ग्राहकों को दे रहा है भरोसेमंद, लचीली और स्मार्ट सोने की खरीदारी का सुनहरा मौका! दिल्ली एनसीआर, हरयाणा, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और मुंबई के सभी तनिष्क स्टोर्स में तनिष्क का कुंदन स्टोरीज़ कलेक्शन उपलब्ध है। कारीगरी, विरासत, बेजोड़ डिज़ाइन के वचन के साथ ग्राहक अनुभव कर सकते हैं शानदार कलेक्शन का जहां हर आभूषण कला और परंपरा का मास्टरपीस है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट का निर्माण कार्य शुरू किया

जयपुर टाइम्स

पश्चिम बंगाल, जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड, जो भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी बिजली उत्पादक और 24 बिलियन डॉलर के जेएसडब्ल्यू ग्रुप का हिस्सा है, ने पश्चिम बंगाल के सालबोनी में अपने अत्याधुनिक 1,600 मेगावाट (2×800 मेगावाट) के अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट का निर्माण कार्य शुरू किया। इस प्लांट के शिलान्यास समारोह में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ ही जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल, जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की चेयरपर्सन संगीता जिंदल और जेएसडब्ल्यू ग्रुप के पार्थ जिंदल और राज्य सरकार के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन, सज्जन जिंदल ने कहा, "जेएसडब्ल्यू एनर्जी का आगामी 1600 मेगावाट का अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट हमारे ग्रुप का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड प्लांट है और यह पश्चिम बंगाल में निजी क्षेत्र द्वारा की जाने वाली सबसे बड़ी थर्मल पावर परियोजना है। हम इस परियोजना में ?16,000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रहे हैं और यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2000 से अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगा। हम सालबोनी में 2000 एकड़ में फैले एक जेएसडब्ल्यू औद्योगिक पार्क की स्थापना भी कर रहे हैं, जिसमें नवीनतम शहरी नियोजन सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर होगा। यह औद्योगिक पार्क राज्य के साथ-साथ हमारे देश के पूर्वी क्षेत्र में औद्योगिक और आर्थिक विकास में भी एक बड़ा बदलाव लाएगा।"

एमएसडीई ने 'एआई करियर्स फॉर वीमेन' के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ की साझेदारी

जयपुर टाइम्स

भारत, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय(एमएसडीई) ने 'एआई करियर्स फॉर वीमेन' के लॉन्च के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, इस कौशल पहल का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में महिलाओं को आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स में करियर बनाने और डिजिटल इकोनोमी में भागीदारी के लिए सक्षम बनाना है। जयंत चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय तथा राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय ने कहा, "माइक्रोसॉफ्ट के साथ यह साझेदारी एआई जैसे उभरते टेक क्षेत्रों में महिलाओं को अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस प्रोग्राम को एनईपी के अनुरूप क्रेडिट-लिंक्ड युनिवर्सिटी पाठ्यक्रम में शामिल हम 21वीं सदी की लर्निंग को प्रत्यास्थ, बहु-आयामी एवं उद्योग जगत के अनुकूल बना रहे हैं।" समावेशी कौशल के लिए माइक्रोसॉफ्ट की प्रतिबद्धता पर बात करते हुए अपर्णा गुप्ता, ग्लोबल डिलीवरी सेंटर लीडर माइक्रोसॉफ्ट इंडिया ने कहा, "कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय तथा माइक्रोसॉफ्ट के बीच इस साझेदारी को लेकर हम बेहद उत्सुक हैं, जो भारत की युवा महिलाओं को एआई में करियर बनाने के लिए तैयार करेगी। इस साझेदारी के माध्यम से हम टियर-2 और टियर-3 नगरों के संस्थानों की क्षमता बढ़ा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं एआई-पावर्ड इकोनोमी में शामिल होकर आने वाले कल के कार्यबल को नया आयाम दे सकें।'

इंडस इंटरनेशनल टूर्नामेंट 2 करोड़ रुपये के पुरस्कार पूल के साथ पुणे में लेकर आ रहा है ईस्पोर्ट्स शोडाउन

915 टीमें, एक एरिना। भारत के सबसे बड़े एलएएन फिनाले के लिए मंच तैयार है, जहां नए ईस्पोर्ट्स चैंपियन उभरेंगे 9

पुणे, भारत भारत के अग्रणी गेम डेवलपर सुपरगेमिंग, 18 मई, 2025 को ड्रोम एरिना, पुणे में इंडस इंटरनेशनल टूर्नामेंट (आईआईटी) के भव्य एलएएन फिनाले की मेजबानी करने के लिए तैयार है। यह फिनाले भारत के सबसे बड़े ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंटों में से एक का समापन है, जिसमें भारत के स्वदेशी इंडो-फ्यूचरिस्टिक बैटल रॉयल टाइटल इंडस बैटल रॉयल में जमीनी स्तर की प्रतिभाओं, राष्ट्रीय दावेदारों और वैश्विक ईस्पोर्ट्स टीमों की यात्रा का जश्न मनाया जाएगा। 2.5 करोड़ रुपये के कुल पुरस्कार पूल के साथ, इंडस इंटरनेशनल टूर्नामेंट को वैश्विक ईस्पोर्ट्स मानचित्र पर भारतीय प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फिनाले में होमग्रोन, नेशनल, पावरप्ले और इंटरनेशनल चरणों की 15 शीर्ष टीमें गौरव और 2 करोड़ रुपये के चैंपियनशिप पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। दांव में इजाफा करते हुए, एलएएन फिनाले के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) को एक कस्टम महिंद्रा थार से सम्मानित किया जाएगा, जो इसे भारतीय ईस्पोर्ट्स में सबसे अधिक आकांक्षात्मक पुरस्कारों में से एक बना देगा।

अब तक की मुख्य बातें

घरेलू, राष्ट्रीय, पावरप्ले और अंतर्राष्ट्रीय चरणों में 1000 से अधिक टीमों ने भाग लिया।

टूर्नामेंट के 4 चरणों में कुल 946 मैच खेले गए, जिनमें लास्ट चांस क्वालीफायर भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट के 4 चरणों में कुल 946 मैच खेले गए, जिनमें लास्ट चांस क्वालीफायर भी शामिल हैं

इंडस इंटरनेशनल टूर्नामेंट में सभी चरणों में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। क्वालीफाइंग टीमें हैं टीम रॉग, डीजीई, मोगर्स, ईस्पोर्ट्स बैटलग्राउंड, 4मैजिक (ब्राजील), काडिलिमन ईस्पोर्ट्स (फिलीपींस), जीरो ग्रेविटी, मार्कोस गेमिंग, लिकिथा ईस्पोर्ट्स, हीटबीस्ट, गोल्डन हॉर्नेट, 4एवर, ऑटोबोट्ज और ब्लाइंड ईस्पोर्ट्स - जो वास्तव में वैश्विक और प्रतिस्पर्धी लाइनअप का निर्माण करती हैं। सुपरगेमिंग के सह-संस्थापक और सीईओ रॉबी जॉन ने कहा, "इंडस इंटरनेशनल टूर्नामेंट भारतीय ईस्पोर्ट्स के भविष्य को जमीन से ऊपर उठाने का हमारा तरीका है। यह केवल पेशेवरों के बारे में नहीं है - यह जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धा करने, बढ़ने और अपने जुनून को पेशे में बदलने के लिए एक वास्तविक मंच देने के बारे में है। हम चाहते हैं कि इंडस ईस्पोर्ट्स सितारों की अगली लहर के लिए शुरुआती बिंदु बने - देश के हर कोने से वैश्विक मंच तक।" एलएएन फिनाले में देश भर से प्रशंसक, क्रिएटर और ईस्पोर्ट्स के दीवाने भारतीय ईस्पोर्ट्स उत्कृष्टता के एक अनोखे जश्न में शामिल होने की उम्मीद है। चैंपियनशिप शोडाउन के साथ-साथ, इस कार्यक्रम में इमर्सिव अनुभव, क्रिएटर मीट-एंड-ग्रीट्स और लाइव म्यूज़िक परफॉरमेंस भी पेश किए जाएंगे, जो इसे भारत के गेमिंग इकोसिस्टम के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बना देगा।

पोषण पखवाड़े में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले के चूरू-ग्रामीण बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय में सोमवार को सप्तम पोषण पखवाड़े के समापन समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सीडीपीओ शिवराज सिंह ने सम्मानित किया। सीडीपीओ शिवराज सिंह ने बताया कि 08 अप्रैल से 22 अप्रैल, 2025 तक चल रहे सप्तम पोषण पखवाड़े में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 42 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी के साथ कार्यक्रम में कार्यक्रम में आंगनबाडी कार्यकर्ताओं की ओर से थीम आधारित गतिविधियों अनुसार रंगोली बनाई गई व पोषण आधारित रेसीपी का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान परियोजना की महिला पर्यवेक्षक जयकोर, ज्योति वर्मा, शीतल बत्रा, सुदेश कंवर, संजू कंवर, मंजू कुमारी जाट, बालू सिंह व जुहारमल शर्मा ने आयोजकीय भूमिका निभाई तथा अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी कर्णपाल सिंह, वरिष्ठ सहायक नरेन्द्र कुमार महर्षि आदि उपस्थित रहे।

चिकित्सा आवास परिसर में बंदरों का आतंक बढ़ा

स्वास्थ्यकर्मी और मरीज भयभीत, नगर पालिका की निष्क्रियता पर सवाल

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) फुलेरा के चिकित्सा आवास परिसर में बंदरों का बढ़ता आतंक स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों और मरीजों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। डॉक्टरों, नर्सों और परिजनों को रोज़ाना बंदरों की हरकतों से मानसिक तनाव और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। प्रत्येक दिन बंदरों का झुंड परिसर में घूमता नजर आता है, जो खाने-पीने

का सामान छीनने के साथ-साथ लोगों पर हमला करने से भी नहीं चूकते। कई बार बंदर मरीजों के कमरों तक पहुंच जाते हैं, जिससे भय का माहौल बन जाता है। एक स्थानीय डॉक्टर ने बताया,"अब तो कार्य करना भी मुश्किल हो गया है। बंदर बिल्कुल निडर होकर परिसर में घूमते हैं और कई बार हमला भी कर देते हैं। बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक है।"इस समस्या को लेकर नगर पालिका और वन विभाग को कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। नतीजतन, स्थानीय निवासियों और स्वास्थ्यकर्मियों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।स्वास्थ्य सेवाओं पर हो रहे प्रभाव को देखते हुए यह स्थिति अब मात्र असुविधा नहीं, बल्कि एक गम्भीर सुरक्षा संकट बन गई है। लोगों की मांग है कि वन विभाग और विशेषज्ञों की सहायता से बंदरों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल प्रभाव से अभियान चलाया जाए। स्थानीय नागरिकों और चिकित्सा समुदाय की स्पष्ट मांग है कि प्रशासन इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई करे, ताकि स्वास्थ्यकर्मियों और मरीजों को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण मिल सके।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ाः

राजस्थान में चूरू जिला अव्वल

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा - 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बेहतर पोषण और उत्तम स्वास्थ्य के लिए समग्र प्रयास कर रही है। सरकार के इन प्रयासों से राजस्थान सशक्त हो रहा है तथा विकसित प्रदेश बनने की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ा रहा है।

प्रदेश के साथ कदमताल कर रहा चूरू

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा को शत प्रतिशत धरातल पर उतारते हुए चूरू प्रदेश के साथ कदमताल कर रहा है। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की नियमित मॉनीटरिंग व नेतृत्व में जिले में महिला व बाल विकास विभाग की टीम के सशक्त प्रयासों से चूरू प्रदेश में अव्वल रहा है। जिले के कुल 1677 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर निर्धारित लक्ष्य 167700 कि विरूद्ध 25

अप्रैल, 2025 को 1536980 गतिविधियां आयोजित कर 916.51 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल किया है। गौरतलब है कि पूरे देश में 08 अप्रैल से 22 अप्रैल, 2025 तक राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस पोषण पखवाड़े का उद्देश्य प्रौद्योगिकी और परंपरा के मिश्रण से बच्चों और महिलाओं के बीच स्वस्थ और पौष्टिक आहार को बढ़ावा देना था। पोषण पखवाड़ा 2025 में बच्चे के जीवन के पहले 1,000 दिनों पर ध्यान केंद्रित किया गया, क्योंकि यह बाल विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवधि है। पोषण पखवाड़ा 2025 की थीम थीम "पहले 1000 दिन और जीवनशैली में सुधार"। इस दौरान राज्यभर में 1.18 करोड़ से अधिक गतिविधियाँ पोषण जनआंदोलन डैशबोर्ड पर दर्ज की गईं। पोषण पखवाड़े में आयोजित कार्यक्रमों में पोषण रथ, पोषण संवाद, स्कूल पोषण प्रतियोगिताएं, विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर, और घर-घर जाकर परामर्श सेवाएं शामिल रहीं। जारी रिपार्ट के अनुसार राजस्थान के 33 जिलों की ओर से 25 अप्रैल, 2025 तक की गतिविधियों के अनुसार चूरू ने 1536980 एंट्रीज कर प्रथम, श्रीगंगानगर ने 1673684 एंट्रीज कर द्वितीय, हनुमानगढ़ ने 921718 एंट्रीज कर तृतीय, टोंक ने 909097 एंट्रीज कर चतुर्थ और बीकानेर ने 890367 एंट्रीज कर पांचवा स्थान प्राप्त किया। जन आंदोलन डैशबोर्ड में प्रविष्टियाँ करने के लिए बैक डेट एंट्री की सुविधा उपलब्ध रही, क्योंकि पोषण पखवाड़ा 8 अप्रैल से 22 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किया गया।

दिनदहाड़े बंद मकान के ताले तोड़कर लाखों के जेवरात और नकदी चोरी

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। क़स्बे के वार्ड नं पांच राजकीय भंवरी देवी स्कूल के पास सोमवार को दिनदहाड़े मकान के ताले तोड कर लाखों रुपये के सोना चांदी जेवरात चोर चुराकर ले गए। पुरुषोत्तम दर्जी ने बताया कि मेरा और मेरे भाई का मकान पास-पास ही है। हम सब दोपहर करीब एक बजे घर के ताला लगाकर परिवारिक शादी समारोह में गए थे, एक घन्टे बाद वापस लौटे तो मेरे भाई लक्ष्मीतप के मकान की मेन गेट ओर कमरों के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने आलमारी और सूटकेस का लॉक तोड़कर उसमें रखा एक सोने का नेकलेस, 3 सोने की मूर्तियां, एक चेन, नथ, एक अंगूठी, एक जोड़ी चांदी की पायजेब, चांदी के 12 सिक्के व दस हजार रुपये नगद चोर चुराकर ले गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौका मुआयना किया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ। हालाँकि पिछले दिनों भी हुई चोरियों का अभी तक कोई खुलासा नहीं हुआ, जिससे पुलिस के प्रति आमजन में रोष है।

श्री नारायणी सेना के अध्यक्ष ओमप्रकाश सैन व राधा सैन समाज रत्न से सम्मानित

कोटपूतली

श्री सैन मंदिर विकास प्रबंधक एवं समाज उत्थान रजिस्टर्ड समिति के तत्वाधान में श्री सैन मंदिर पूतली में सैन जयंती महोत्सव पर समाज के प्रबुद्धजनों ने सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में अपनी महत्ती भूमिका निभाने वाले कर्मठ कार्यकर्ता श्री नारायणी सेना के अध्यक्ष ओमप्रकाश सैन एवं कनिष्ठ सहायक राधा सैन को समाज रत्न से सम्मानित

किया। अध्यापक संजीव सैन ने कहा की समिति के उपप्रधान संजय सैन सैन जयंती महोत्सव पर कई वर्षो से निस्वार्थ भाव से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे है। संजय सैन सनातनी धर्म के लिए होने वाले हर कार्य में अपनी अहम भूमिका निभाते है। प्रहलाद सैन ने कहा की ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान करने से उनके द्वारा किए गए कार्य में निखार आता है। ओमप्रकाश सैन व राधा सैन समाज की सेवा में सदैव तत्पर रहते हुये सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में भी सदैव विशेष रूचि रखते है। इस मौके पर इनका माल्यार्पण व राजस्थानी पगड़ी पहनाकर सैन महाराज की तस्वीर भेंटकर समाज रत्न अवॉर्ड से सम्मानित व अभिनंदन किया गया। इनकी सेवा कार्य व व्यवहार शैली की प्रशंसा कर शुभकामनायें दी। श्री नारायणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गहलोत ने कहा कि समाज में अधिकारों और कर्तव्यों का संतुलन जरूरी है, समाज उन्ही व्यक्तियों को याद करते है जो समाज व राष्ट्र के लिए कार्य करते है। सैन समाज में मृत्यु भोज बंद कर नशा मुक्त समाज बनाने का प्रयास हम सबको करना है। इस दौरान श्री नारायणी सेना उपाध्यक्ष पुष्पा सैन, कैलाश चंद सैन, प्रधान वेदप्रकाश सैन, सैन जयंती प्रधान नानक चंद सैन, बारबर यूनियन प्रधान राधेश्याम सैन, परगना प्रधान रामकिशन कांसली, विक्रम सैन, भीम सैन पवाना, वित्तीय सलाहकार बनवारी लाल सैन, हव. लालचंद सुलोदिया, जीताराम सैन समेत अन्य मौजूद रहे।

कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत आज सालासर आएंगे

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत मंगलवार को सालासर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल गहलोत सवेरे 11.30 बजे खाटूश्यामजी से प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे सालासर पहुंचेंगे। मंदिर में दर्शन करने के बाद लंच व अल्प विश्राम के बाद दोपहर 2.30 बजे राजभवन, जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

कार्यालय प्रधानाचार्य, पं. दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, चूरू
website: www.education.rajasthan.gov.in/mcchuru
Email: principal.mc.churu@rajasthan.gov.in Phone: - 01562-251888
क्रमांक- लेखा / निविदा/BLS Equip./2025/28 दिनांक-17-4-25

E-NIT-01/2025-26
(UBN No. - MCC2526GLOB00003

Online Bid for Supply of BLS Equipments on Turn Key Basis are invited from interested bidders up to 5.00 PM on dated 30.4.25 for Medical College, Churu. The estimated value of procurement is about Rs 25, 00, 000/-. Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal htpp:// sppp. rajasthan.gov.in of the State, https:// eproc. rajasthan.gov.in.

DIPR/C/5491/2025
Principal
PDU Medical College, Churu

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड चूरु
ई-44 अग्रसेन नगर चूरू E-mail: eemhchuru@yahoo.com
फोन नं. 01662-254670
क्रमांक.प.01 ()/ चि. स्वा. / खण्ड-चूरु / 2025-26 /72 दिनांक-21/4/25

निविदा सूचना संख्या- 01/2025-26

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड चूरु के अन्तर्गत जिला चूरू के प्रा. स्वा. केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर विधुतीकरण के कार्य राशि रु. 16.50 लाख तक के कार्य के लिए निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www. dipronline. org,http//sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं ।
UBN No.
1. NRH2526WSOB00114

DIPR/C/5593/2025
(राजेश कुमार सोलंकी)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड चूरू

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग क्षैत्र उदयपुर
दूरभाष 0294-2481538 ई-मेल ace.uda.phed@rajasthan.gov.in
क्रमांक- अ.मु.अ./ उदय / अंके. / 2025-26 / 519-525 दिनांक- 14/04/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 03 / 2025-26

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग क्षेत्र उदयपुर के अधीन विभिन्न शहरो में "अमृत 2.0" के तहत पेयजल योजनाओ के कार्य हेतु ऑनलाईन बिडस् इच्छुक पात्र बिडर्स ई-निविदा संख्या 03 / 2025-26 दिनांक 18-04-2025 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 19-05-2025 सांय 6.00 बजे तक तक आंमत्रित की जाती है। बिड से संबंधित समस्त जानकारी प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in व http:// sppp. raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
यू. बी. एन. नम्बर
NIT No. 03/25-26 UBN No. PHE 2526WLOB01302

DIPR/C/5588/2025
शैतान सिंह
अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
क्षेत्र उदयपुर

अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सरदारशहर
क्रमांक- 62-71 दिनांक- 15/04/2025

ई-निविदा सूचना सं. 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सरदारशहर खण्ड के अन्तर्गत भवन एवं सड़क निर्माण कार्य हेतु कुल 4 कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हों, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन ई-निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। आर.पी. डब्ल्यू.ए.-100 की शर्त लागू होगी। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट dipr.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। SPPP पर अपलोड PWD2526A0115 के UBN No. निम्न प्रकार है-

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	PWD2526WSOB00337	2	PWD2526WSOB00340
3	PWD2526WSOB00342	4	PWD2526WSOB00343

DIPR/C/5389/2025
(राजेन्द्र कुमार सैनी)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड-सरदारशहर

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, बीकानेर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

मु0 नं0-36/25/914 दिनांक- 25/04/25

नोटिस

चूंकि विवेक पौद्दार पुत्र श्री रामनिरंजन पौद्दार, रतनगढ़ जिला चुरू द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अंतर्गत सेठ जीवनराम रघुनाथराय पौद्दार धर्मार्थ ट्रस्ट, रतनगढ़, चुरू में नये ट्रस्टीयों के नाम दर्ज करने के संबंध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएव अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तिओं के नाम व्यापक जानकारी के लिये यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्ति यदि कोई हो, प्रस्तुत करे।

और यह भी सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त अवधि के भीतर कोई आपत्तियाँ प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निष्कर्ष किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।
गया।

आज दिनांक 22.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया

प्रकरण की सुनवाई दिनांक 26.05.2025 निश्चित है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग बीकानेर

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सा0नि0वि0 वृत चूरू
क्रमाक-116 दिनांक- 16.04.2025

ई - निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

इच्छुक निविदादाताओं से जिला चूरू में सडक निर्माण कार्य (मय पाँच वर्ष के दोष निवारण व सुधार अवधि) कुल 2 सडक कार्यो हेतु अनुमानित लागत राशि रू0 543.92 लाख की ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। कार्य के निविदा प्रपत्र दिनांक 16.05.2025 सांय 6.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड करना आवश्यक होगा। उक्त निविदा से सम्बन्धित विवरण राज्य सरकार के प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://pwd.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
NIB No-PWD2526A0131
UBN No- 1- PWD2526WSOB00399
2- PWD2526WSOB00401

DIPR/C/5375/2025
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि वृत चूरू

आमजन को पेयजल, विद्युत और चिकित्सा सेवाएं मिले निर्बाधः डीएम

आवश्यक सेवाओं और बजट घोषणाओं की प्रगति की बैठक का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। बिजली, पानी, मौसमी बीमारी सहित अन्य प्रमुख बिन्दुओं की समीक्षा बैठक का आयोजन जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता मे जिला कलक्ट्रेट के सभाकक्ष में हुआ। बैठक में उन्होंने गर्मी के मौसम के मद्देनजर जिले वासियों को मौसमी बीमारियों और पेयजल की समस्या से प्रभावी रूप से निपटने के लिए सभी अधिकारी को सजगता और संवेदन शीलता के साथ अपने कार्यों को करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले में बजट घोषणाओं के तहत विभिन्न कार्यो की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करते हुए जिले के ग्रामीण ने एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल एवं विद्युत सालाई निर्वाध बनाये रखते हुए आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता से निराकरण करना सुनिश्चत करें। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए आवश्यक सेवाओं से जुडे विभाग नियंत्रण कक्ष स्थापित कर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान करें। अधिकारी 24 घंटे में दर्ज शिकायतों का प्रतिदिन निरीक्षण कर आमजन से फीडबेक भी ले जिससे समस्या निराकरण की जानकारी मिल सके। उन्ननि विभाग के अधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में सभी आवासीय एरिया में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए आवश्यकता पड़ने पर टैंकरों से

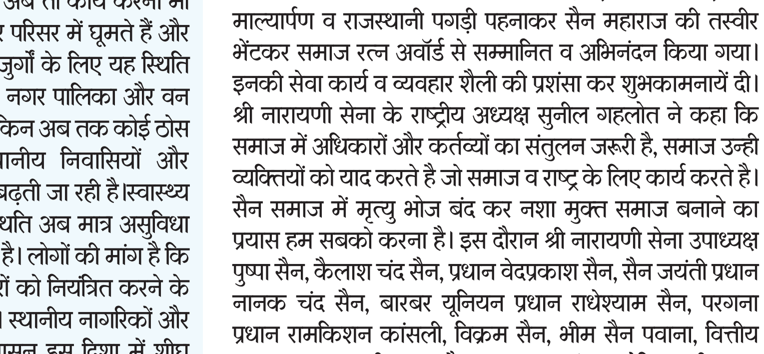

पानी की उपलब्धता कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अवैध कनेक्शनों के खिलाफ नियमित अभियान चालाये तथा नवीन कनेक्शनों को समय पर जारी करें। उन्होंने कहा कि पंचायत समितिवार हैण्डपम्प मिस्त्री की टीम बनाकर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराये। जल जीवन मिशन में कार्यों को गति देते हुए खोदी गई सड़कों की गुणवत्ता से पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का समय पर निरीक्षण कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत निगम को जिले में सभी जलस्रोतों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाये रखकर नवीन ट्यूबवैलों पर समय पर कनेक्शन करने आम उपभाक्ताओं के जले ट्रांसफार्मर को समय पर बदलने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मौसम खराब होने से विद्युत सप्लाई में व्यवधान आने पर शीघ्र दुरूस्त कराई जाये। उन्होंने ढीले तारों को टीम बनाकर कर ठीक कराने घरेलू एवं कृषि कनेक्शनों के लिए आवश्यक सामग्री निधारित समय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने चिकित्सा विभाग को नियंत्रण कक्ष को 24 घंटे सक्रिय रखकर समस्याओं का निराकरण करने, प्रत्येक चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिधत करने के निर्देश दिये। उन्होंने हीटवेव से बचाव के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्साकर्मियों को आमजन से निरन्तर सम्पर्क बनाये रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव से बचाव की आवश्यक दवायें, ओआरएस घोल का पर्याप्त स्टॉक रखें तीमारदारों के लिए छाया, पानी तथा वार्डों में पंखे, कूलर, एसी को दुरुस्त रखें। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में सभी स्टॉफ संवेदनशीलता से कार्य कर समय की पालना सुसनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों को बजट घोषणाओं को प्रगति की समीक्षा कर समयबद्ध धरातल पर साकार करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सरकार को मंशा के अनुसार पेयजल, विद्युत आपूर्ति बनाये रखकर आमजन को निर्बाध आपूर्ति बनाये रखने, चिकित्सा सेवाओं को उपलब्धता करने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ, उप निदेशक आईसीडीएस धीरेन्द्र सिंह सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)
Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504
क्रमांक- न.पा.रा. / 2025-26 / 435 दिनांक- 28/04/25

आपत्ति विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि को गैर कृषि प्रयोजन उपयोग के लिए उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम 2012 के तहत कृषि भूमि रूपान्तरण उपरान्त कृषि भूमि के पट्टे के तहत स्वामित्व पट्टे आवंटन व नीचे वर्णित भूमि मे अपने अधिकार राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69-क के तहत आवासीय प्रयोजन हेतु पत्रावलिया प्राप्त हुई है। उक्त वर्णित पत्रावलियों के पटटे आवंटन के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय दस्तावेजो के अन्दर मियाद 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद गुजर मियाद प्रस्ततु आपत्तियो पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.सं.	नाम आवेदनकर्ता	पता	क्षेत्रफल	प्रयोजन
01	श्री गुमानमल पुत्र श्री स्व. ब्रदीप्रसाद जाति-भार्गव	वार्ड नं. 05 राजलदेसर	57.85 वर्ग मीटर	69-क

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका राजलदेसर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड, बीकानेर
क्रमांक- 46 दिनांक- 22/04/2025
निविदा सूचना संख्या 02 / वर्ष 2025-26 (NIB Code No. PWD2526A0236)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों द्वारा एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/के लो.नि.वि. / डाक एवं दूरसंचार / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के संवेदकों के समकक्ष (पी. डब्ल्यू. एफ. एण्ड ए. आर. के नियमों) हो उनसें निर्धारित प्रपत्र में विद्युतीकरण कार्यो के लिए मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं । निविदा प्रपत्रों की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 01.05.2025 तक दोपहर 3.00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र उसी दिन दिनांक 01.05.2025 की मध्यान्ह 04.00 बजे तक कार्यालय में प्राप्त कर उसी समय उपस्थित संवेदको के समक्ष खोली जायेगी। निविदा की अन्य शर्ते एवं स्वीकृत तकमीना आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्ते व विवरण इस कार्यालय में व डीपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org. http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। कुल कार्यो की संख्या 06 कुल लागत 15.91 लाख ।
UBN No. 1. PWD2526WSOB00737
2. PWD2526WSOB00738
3. PWD2526WSOB00739
4. PWD2526WSOB00740
5. PWD2526WSOB00741
6. PWD2526WSOB00742

DIPR/C/5689/2025
(शैलेश कुमार पाठक)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड, बीकानेर

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
29 अप्रेल, 2025

चेयरमैन नरेश सोनी ने किया सीसी रोड का शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। नगर पालिका मण्डावा की ओर से कस्बे के वार्ड नंबर 24 में शिव मंदिर के पीछे सुनील जोशी के घर से मदन लाल ढाका के घर तक सीमेंटेड सड़क बनाने के कार्य का शुभारंभ सोमवार को पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर पालिका के कनिष्ठ अभियंता आनंदबिहारी सौलंकी, पार्षद नंदकिशोर यादव, शशिकांत सैनी, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय रामगढ़िया, शुभम शर्मा, हितेश जोशी, मदन लाल ढाका, दिनेश मंडड़िया आदि उपस्थित रहे। पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी ने बताया कि हमारे पास विकास कार्यो को लेकर जितने भी आवेदन आए हुए है सब पर विचार विमर्श कर तकमीने बना लिए गए है और कुछ कार्यो की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कार्य आदेश जारी कर दिए गए है, कुछ कार्यो की निविदा प्रक्रिया चल रही है, जल्द ही सभी कार्यो की कार्यवाही पूरी कर निर्माण कार्यो को बिना किसी भेदभाव के शुरू करवाया जाएगा।

हरिराम असवाल बने उदयपुरवाटी खटीक समाज के अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

उदयपुरवाटी(निस)। खटीक समाज उदयपुरवाटी की बैठक रविवार को सात बत्ती पर स्थित खटीक धर्मशाला में प्रतापचंद कबाड़ी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उदयपुरवाटी खटीक समाज की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से खटीक समाज का अध्यक्ष हरिराम असवाल को सर्वसम्मति से बनाया गया। इसके अलावा कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष रामपाल असवाल, द्वारकाप्रसाद असवाल, सचिव सायरमल दायमा, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार असवाल संरक्षक सत्यनारायण असवाल, चिरंजीलाल असवाल, मेघराज दायमा, नर्सिंग असवाल, प्रतापचंद कबाड़ी, धोलुराम असवाल व कार्यकारिणी में मनोज असवाल, हंसराज असवाल, कृष्ण असवाल, राहुल असवाल, विक्रम असवाल, रंजीत दायमा, लालचंद असवाल, दिलीप असवाल, रणवीर दायमा, प्रशांत असवाल, रामसिंह असवाल, बृजलाल असवाल, दिलीप असवाल, रमेश असवाल, केसर असवाल, सुरेश असवाल , नरोत्तम असवाल, दीपक असवाल, विनोद असवाल, दयाराम दायमा, ओमप्रकाश को सदस्य बनाया गया है। अध्यक्ष हरिराम असवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि मेरे समाज के हर सुख दुख में आगे रहूंगा और समाज की आवाज उठाऊंगा। साथ ही समाज की कुरीतियों को दूर करने का काम करेंगे।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। कस्बे के वार्ड 18 में पटवार घर के पीछे श्री बालाजी मन्दिर में सोमवार को श्रीमद् भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। बालाजी मंदिर परिसर से बैंडबाजों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा कस्बे के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। जहां मु मुख्य यजमान सरोज - योगेश चेजारा ने भागवत की पूजा अर्चना की और पूजन के बाद कलश की स्थापना की गई। कथा व्यास वृंदावन की देवी रजनीश्वरी मिश्रा ने अपने प्रवचनों में उपस्थित श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत पुराण की जानकारी देते हुए कहा कि श्रीमद्भगवत कथा का श्रवण करने से मानव जीवन में एक जन्म नहीं अपितु हमारे कई जन्मों के पापों का नाश होने के साथ ही हमारे शुभ कर्मों का उदय होता है। कथा सुनने मात्र से जीव जन्म और मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि नारद जी ने भक्ति देवी के कष्ट की निवृत्ति के लिए श्रीमद् भागवत कथा का साप्ताहिक अनुष्ठान किया था। जहां संतकुमारों ने भागवत का प्रवचन करते हुए नारद के मन का संशय दूर किया। इसी कथा को धुंधकारी प्रेत ने अपने अग्रज से श्रवण किया और प्रेत योनि से मुक्ति पाकर विष्णु लोक को प्राप्त हुए। कथा व्यास ने कहा कि भगवत श्रवण से जीव के सभी पाप कर्म मिट जाते हैं। अंत में सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान अनेक अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

मण्डावा में शांति और सद्भावना समिति की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। क्षेत्र में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। उप कलेक्टर मुनेश कुमारी की अध्यक्षता में यह बैठक सोमवार को तहसील सभागार में आयोजित हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पहलगांव में हुए हमले के बाद अंचल में शांति व्यवस्था को बनाए रखना और समुदायों के बीच आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना था।

शांति और समरसता का संदेश

उप जिला कलेक्टर मुनेश कुमारी ने बैठक में उपस्थित सभी शांति समिति के सदस्य और स्थानीय अधिकारियों से अपील की कि वे समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ावा दें और विशेष रूप से युवा वर्ग को सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट से बचने की सलाह दें। उन्होंने कहा कि हमें अपने प्रयासों से यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी विवाद न बढ़े और समाज में सद्भावना बनी रहे। इसके साथ ही, मण्डावा तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर ने नागरिकों से यह भी अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस और स्थानीय प्रशासन को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। बैठक में मण्डावा थाना प्रभारी राम निवास ने शांति समिति के सदस्यों कहा कि वे सजग रहें और किसी भी अप्रिय घटना की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि "शांति समिति के सदस्य समाज में नैतिकता का प्रचार करें और युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट करने से रोकें। साथ ही, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष अयूब भाटी, संदीप शर्मा और अन्य उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इस बैठक में भाग लिया और शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रशासन का पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस दौरान शांति समिति के सदस्यों ने अपनी-अपनी राय दी और सुझाव दिए कि किस प्रकार शांति और सौहार्द को बढ़ावा दिया जा सकता है। बैठक में भाजपा नेता संदीप शर्मा, हाजी फारूक भाटी, अयूब भाटी, कैलाश पीपलवा, रविन्द्र शर्मा, बीएल सैनी, पटवारी संजीव पूनिया, जितेन्द्र सिंह, विजय काला, गिरधारीलाल जागिड़ आमीन कारी,चींटू नाई सहित क्षेत्र के सभी पटवारी व गिरदावर मौजूद रहे।

खेतड़ी में पहलगाम फायरिंग घटना को लेकर सर्व समाज ने किया विरोध प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

खेतड़ी(निस)। खेतड़ी के उपखंड कार्यालय के सामने सोमवार को पहलगाम में हुई फायरिंग घटना को लेकर सर्व समाज की ओर से विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर आतंकियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि आतंकियों ने निहत्थे सैलानियों की हत्या कर बड़ा अपराध किया है। यह देश के लिए सबसे बड़ी घटना है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। आतंकी वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। इस घटना में 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर देश को सबसे बड़ा जख्म दिया है। भामाशाह मनोज कुमार घुमरिया ने बताया कि देश में आतंकी घटनाएं पड़ोसी देश से होती है, जिसका साथ नहीं देकर उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि आतंकियों को देश के कुछ असमाजिक तत्वों की ओर से पनाह दी जाती है, जिसके बाद वह वारदात को अंजाम देते हैं। देश में रहने वाले राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। देश में कुछ लोग भाईचारे की भावनाओं को खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों को समय पर जवाब नहीं दिया गया तो भविष्य में खतरनाक साबित हो सकते है। इस दौरान आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। इस दौरान ग्रामीणों ने राष्ट्रपति से पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की है। इस मौके पर कैलाश सैनी, बाल प्रसाद, मनोहर लाल सेन, रमेश मेघवाल, जगमोहन, मनीष कुमार, शिवलाल चौधरी, राजेंद्र कुमार, गोकुलचंद, मुमताज खान, शिवराम, वसीम कुरैशी, श्रीराम, ख्यालीराम, प्रवीण कुमार, रामौतार, नानूराम सैनी, सुल्तान, भींवाराम, हरदयाल, बुधराम, मुरारीलाल, राकेश कुमार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

जिला कलेक्टर ने निर्बाध पेयजल आपूर्ति के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में पेयजल, विद्युत, चिकित्सा सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर मीणा ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों की मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने चिकित्सा विभाग को गर्मी के मौसम को देखते हुए समुचित चिकित्सा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भूमि आवंटन के कार्यों को प्राथमिकता से निपटाने पर बल दिया। इसके साथ ही 'राइजिंग राजस्थान' के तहत हुए एमओयू की प्रगति रिपोर्ट भी ली और संबंधित विभागों को तेजी से कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि आमजन इस योजना का लाभ उठाकर सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो सकें। बैठक में शिक्षा विभाग को मिड डे मील योजना के तहत भोजन में स्वच्छता बनाए रखने और मेनू चार्ट के अनुसार पोषाहार उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजपाल सिंह, एवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता एम के टिबडा, उद्योग विभाग के महाप्रबंधक नानूराम, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ सुरेश सुरा, सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर, पीएमओ डॉक्टर जितेंद्र भांबू, नगर परिषद आयुक्त दिलीप पूनिया, एसीईओ रामनिवास चौधरी, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल पूनिया, महिला व बाल विकास विभाग के उपनिदेशक बृजेंद्र सिंह राठौड़, सूचना व प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक घनश्याम गोयल, सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया, एडिईयो उमेद सिंह महला, जिला रसद अधिकारी डॉ निकिता राठौड़, सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सफाईकर्मियों ने पदोन्नति में धांधली का आरोप लगाया

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका के सफाईकर्मियों की ओर से जमादार की पदोन्नति में धांधली का आरोप लगाते हुए सोमवार को नगरपालिका परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान नगर पालिका सफाईकर्मचारियों की ओर से नगर पालिका प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए गए।वही उस समय अधिकारियों के कुर्सियों पर नहीं होने की चलते सफाईकर्मियों ने अधिकारियों पर समय पर कुर्सी पर नहीं आने का आरोप भी लगाया। सफाई कर्मियों के नगरपालिका परिसर में प्रदर्शन के दौरान नगरपालिका ईओ का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे तहसीलदार फाहरुख अली नगरपालिका पहुंचे जिसके बाद सफाईकर्मियों ने वाल्मीकि नेता शुभकरण बिवाल व भंवर लाल के नेतृत्व में तहसीलदार फाहरुख अली को अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस की ओर से ज्ञापन दिया और उनके समक्ष अपनी मांगे रखी। पदोन्नति में अनियमितता की बात कही जिसके बाद तहसीलदार फारूक अली ने सफाई कर्मियों को निष्पक्ष जांच करवा कर उचित कार्रवाई का आश्वाशन दिया। तहसीलदार के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। वाल्मीकि समाज के नेता शुभकरण बिवाल ने बताया कि नगर पालिका में जमादारों की पदोन्नति में बहुत बड़ी अनियमित हुई है, जमादारों की पदोन्नति में ना तो नियमों का पालन किया गया है और ना ही वरिष्ठता का ध्यान रखा गया है और केवल योग्यता के नाम पर पदोन्नति की गई है जबकि जो सफाई कर्मचारी इस पद पर 7 वर्ष तक कार्य कर लेता है उसे भी योग्यता प्राप्त हो जाती है। उन्होंने बताया कि नियमों को नजरअंदाज कर कर पदोन्नति की गई है जिसके संबंध में ईओ का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे तहसीलदार फारुख अली से वार्ता की गई और मांग की गई कि उक्त पदोन्नति पर जांच पूर्ण न हो जाए तब तक रोक लगा दी जाए जिस पर तहसीलदार जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अनुज चौधरी जिला महासचिव बने

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। शहर के निकटवर्ती गांव बहादुरवास निवासी अनुज चौधरी पुत्र बलवंत कुमार को श्री राष्ट्रीय वीर जाट सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि चौधरी को संगठन का झुंझुनूं जिला महासचिव मनोनीत किया है।

पहलगाम आंतकी हमले में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। मरुधर इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी चूरू विद्यार्थियों व स्टाफ के सदस्यों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में कायराना आंतकी हमलें में मारे गए निर्दोष पर्यटकों के लिए दो मिन्ट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। निदेशक संजीव ढुकिया ने इस घटना को मानवता के प्रति अपराध बताते हुए निंदा की। प्रधानाचार्य गोवर्धन पूनिया ममता पैरामेडिकल के महेंद्र ढूकिया, श्रीमती सुचित्रा कस्वां, जीतेन्द्र महला, शाहरूक चौहना, मो. फैयाज़, रहमान, इमरान मोनिका व मोहनलाल आदि ने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की।

नरेन्द्र ढ़ाका अध्यक्ष, अशोक यादव को उपाध्यक्ष, रामावतार मीणा सचिव बने

विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। एसोसिएशन के जिला पदाधिकारी आशीष पचार जिला महामंत्री सुरेश लामोरिया जिला सचिव, सुबोध महरिया जिला सगठंन मंत्री की देखरेख में मण्डावा सब - डिविजन की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से नरेन्द्र ढ़ाका को अध्यक्ष, अशोक यादव को उपाध्यक्ष, रामावतार मीणा को सचिव, जितेन्द्र सैनी को महामंत्री, राजेन्द्र इन्दोलिया को कोषाध्यक्ष, नितेश लोयल, को संगठन मंत्री व मुकेश गोदारा को प्रचार मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री मुरलीधर पुहानिया ने सभी कर्मचारियों को आगामी एक मई को आयोजित मजदूर दिवस के आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी आज झुंझुनू दौरे पर

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी मंगलवार को झुंझुनूं के दौरे पर रहेंगी। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने बताया कि उप मुख्यमंत्री सुबह 8 बजे जयपुर से रवाना होकर सुबह 10 बजे इंद्रपुरा उदयपुरवाटी पहुंचेंगी, जहां किशन कंवर डिप्टी जैतसिंह मेमोरियल आयुर्वेद औषधालय का लोकार्पण करेंगी। इसके बाद बीकेएसएस महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में शिरकत करेंगी। दोपहर 12 बजे वे सैनिक स्कूल झुंझुनूं पहुंचेंगी, जहां गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन करने के साथ अन्य कार्यक्रमों में भाग लेंगी। 12.30 बजे रामगढ़ शेखावाटी के लिए प्रस्थान करेंगी।

श्रीकृष्ण- रुक्मिणी विवाह की कथा सुनाई

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे के टांटिया अस्पताल के पीछे वार्ड 5 घंटियालिया बास में सांखला परिवार की ओर से आयोजित श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ में छठे दिन सोमवार को श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह की कथा सुनाई गई। कथा का वाचन करते हुए नोखा की कथावाचक मोनिका पारीक ने कहा कि हमें केवल भगवान की लीलाओं को सुनाना ही नहीं चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों को भी अपने जीवन में उतारना चाहिए। अगर हम उनके आदर्शो को जीवन में उतार ले, तो अधिकांश समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाएगी। चारों तरफ प्रेम व सदभाव का वातावरण बन जाएगा। मगर हम इस सांसारिक मोह-माया में फंसकर भगवान के आचरण को कभी भी जीवन में नहीं उतार पाते है। मनुष्य के जीवन मे अज्ञानता व दोष की कुछ बुराइयां है। उनको मिटाने के लिए पवित्र ज्ञान यज्ञ के माध्यम से ज्ञान की गंगा में स्नान करना जरूरी है। हमें जीवन मे अच्छाई, शांति व उमंग को अपनाने का प्रयास करना चाहिए। कथा के शुभारम्भ पर व्यासपीठ की पूजा अर्चना मुख्य यजमान रामेश्वर लाल, केशरमल सांखला, कमल माली, पार्षद ललित माली, चिरंजीलाल सैनी, रमेश, हेमराज ने की। इस अवसर पर प्रधान संतोष मेघवाल, मंडल अध्यक्ष राजेश सोनी, पार्षद सांवरमल नाई, नगर कांग्रेस अध्यक्ष जेठाराम यादव, महेंद्र माली, पवन पारीक, अरुण तिवारी, गोपाल प्रजापत आदि उपस्थित रहे।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
29 अप्रैल, 2025

मुकदमे में एफआर लगाने का विरोध, पुलिस की कार्यशैली पर लगाया मिलीभगत का आरोप

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव सवाई बलवानिया में खेतों के बंद रास्ते को खुलवाने की मांग को लेकर ग्रामीणों की ओर से धरना प्रदर्शन किया गया था। जिस पर प्रशासन की ओर से रास्ते को खुलवाया गया था। इस मामले को लेकर दोनों तरफ से परस्पर थाने में मामले दर्ज हुए थे। सोमवार को विकास मंच के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र राजपुरोहित के नेतृत्व में गांव सवाई बलवानिया के ग्रामीणों एवं विकास मंच के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम कार्यालय पर मुकदमे में एफआर लगाने को लेकर पुलिस पर मिली भगत का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर एसडीम डॉ दिव्या चौधरी को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि गांव सवाई बलवानिया के डेढ़ सौ खेतों का रास्ता रोककर जोहड़ पायतन को सुरेंद्र सर्राफ की ओर से कानून हाथ में लिया गया था। जिस पर गांव के अनुसूचित जाति सवर्ण जाति के लोगों के रास्ते बंद हो गए थे। जिसका ग्राम वासियों ने विरोध किया। जोहड़ पायतन के आगे लगे गेट का ताला खोलने पर हजारों ग्राम वासियों पर दबाव बनाने की नीयत से उक्त सुरेन्द्र सर्राफ ने एक अनजान व्यक्ति

सीताराम पुत्र मनोहर लाल निवासी जेराठी सीकर जो उस वक्त प्रहलाद सर्राफ की अन्य फैक्ट्री में बतौर मजदूर का कार्य करता था। ग्राम वासियों पर दबाव बनाने के लिए एक झूठा मुक्तमा दर्ज करवा दिया गया था। जबकि उक्त सीताराम कौन है व ना ही एक वीडियो प्रहलाद सर्राफ के आदमियों की ओर से बनाया गया था। जिसमें उक्त सीताराम कहीं पर भी मौजूद है। जबकि हकीकत यह है कि प्रहलाद सर्राफ की ओर से रास्ता बंद किए जाने पर रामचंद्र मेघवाल व उसके भाई अपनी गाय लेकर अपने रास्ते से अपने खेत जा रहे थे। जिनको प्रहलाद सर्राफ व गोविंद प्रजापत ने धक्का मुक्की कि व आम रास्ते पर अपमानजनक जाति सूचक गालियां निकाली। जिसका मुकदमा भी पुलिस थाना में दर्ज करवाया हुआ है। लेकिन प्रहलाद सर्राफ जो अपने चांदी के जूतों के बल पर कई राजनेताओं व अधिकारियों को जेब में रखता है। इसी प्रकार वर्तमान सीओ सरदारशहर भी प्रहलाद सर्राफ व अन्य उच्च अधिकारियों के दबाव में आकर ग्राम वासियों को अपमानित व बेइज्जत करने की नीयत से झूठी गिरफ्तारी करने पर आमदा है। जिस पर सवाई ग्राम पंचायत ही नहीं सरदारशहर विकास मंच व अन्य गांव के लोग भी आक्रोशित है। यदि वर्तमान सीओ सरदारशहर झूठे मुकदमे में ऐसी कार्रवाई करता है तो हम सभी लोग सीओ कार्यालय के सामने मुंह पर काली पट्टी बांधकर धरना देने व गिरफ्तार होकर उन निर्दोष लोगों के साथ जेल जाएंगे। जिस पर हम सब की गिरफ्तारी के पीछे से यदि कानून व्यवस्था बिगड़ती है तो उसके लिए राज्य सरकार, जिला प्रशासन व स्थानीय पुलिस जिम्मेदार होगी। बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ विकास मंच के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन देकर 1 मई को सीओ कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दी गई है। इस अवसर पर दुलाराम, ताराचंद, शीशपाल, पृथ्वी सिंह, किशन लाल, रामचंद्र, भंवरलाल, शेराराम, मालाराम, लक्ष्मण सिंह, गोविंद सिंह, डूंगर राम, प्रदीप कुमार, नारायण सिंह, मांगीलाल, सुभाष कुमार, मगाराम, संतलाल, लीलाधर, डूंगर राम, सुनील कुमार, सावंत सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व विकास मंच के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ठेला रेहड़ी वालों का धरना जारी, ज्ञापन सौंपा

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। उप तहसील कार्यालय के पास अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे ठेला, रेहड़ी चालको ने सोमवार को चूरू कलेक्टर ने नाम नायब तहसीलदार अमरसिंह को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि उप तहसील कार्यालय सालासर मे ठेले व ई रिक्सा चालको का पिछले कई दिनो से लगातार अनिश्चितकालीन धरना जारी है। जिला क्लेकटर से ठेले व ई रिक्सा मजदूरो के प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर इस समास्या के समाधान करवाने के संबंध मे बातचीत की थी। जिस पर जिला कलेक्टर ने समाधान करवाने का आश्वासन दिया था। उनके निर्देश पर स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियो ने धरना स्थल पर आकर संघर्ष समिति पदाधिकारियो से वार्ता की। उन्होंने कहा कि ठेला व रेहड़ी चालको को निरिक्षण कर बाड़ी चौक पर सहमति बनी और अगले दिन दस बजे तक ठेले लगवाने का आश्वासन दिया। लेकिन उस बात को लेकर तीन दिन बीत जाने के बाद भी कोई अधिकारी नही आया और न ही कोई व्यवस्था की। इस दौरान दीनदयाल गुलेरिया भंवरलाल प्रजापत, अजय सिंह, बन्नेसिंह, पवन कुमार, रामलाल, राजकुमार, सुरेन्द्र, भागीरथ सिंह संदीप, सांवरमल, मुकेश कुमार, शिवराज, नन्दलाल प्रजापत सहित अनेक महिलाओ ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

नगरपालिका ने की अतिक्रमणों पर कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। नगरपालिका की अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही की। नगरपालिका के अनुसार वार्ड सं 12 के लोगों ने शिकायत की थी कि हमारे वार्ड के पुनम चन्द सुथार की ओर से वार्ड के सार्वजनिक चौक में अपनी घर की दिवार बनाई जा रही है, जिससे आम रास्ता अवरूद्ध हो रहा है।हमारे समझाईस के बाद नहीं मान रहा। जिसकी प्राप्त शिकायत पर अधिशाषी अधिकारी कुन्दन दैथा ने कार्यवाही करते हुए टिम बनाकर मौकै पर भेजी तथा अतिक्रमण को तुरंत दुधस्त कर अतिक्रिमी को पाबन्द किया गया। टिम कनिष्ठ अभियंता भरत गौड़, कार्यवाहक सफाई निरीक्षक हरीशंकर, जमादार राजकुमार सहित पालिका सफाई कर्मी मौजूद रहे।

कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का जन सैलाब

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव बुकनसर छोटा में जोशी परिवार की ओर से आयोजित श्री मद देवी भागवत कथा के शुभारंभ पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बैंड बाजे, बाबा श्याम, मां दुर्गा, राधा कृष्ण, राम दरबार की संजीव झांकियां सहित 51 निशान की निशान यात्रा, 501 मंगल कलश के साथ महिलाओं ने भजन कीर्तन करते हुए कलश यात्रा में भाग लेकर पुन्य कमाया। एक रथ पर मां दुर्गा की भव्य झांकी, दंडी स्वामी शिवेद्राश्रम महाराज व कीर्तन मंडली की ओर से मधुर संकीर्तन, पुष्प वर्षा, जगह जगह जलपान की व्यवस्था सहित सैकड़ों महिलाएं पुरुष धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए। कथा के यजमान जमना देवी ब्रह्मनंद जोशी ने सिर पर भागवत देवी कथा को धारण किए कीर्तन करते जय जय कार लगाते कथा पंडाल तक पहुंचे। करनी माता मंदिर से शुरू हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे। कलश यात्रा में सत्यनारायण जोशी, देवीदत्त जोशी, मुरलीधर, हनुमान मल, मामराज, मुखराम, ब्रह्मानंद पांडिया, देवीसिंह, उम्मेद सिंह, राधेश्याम, अशोक जोशी, बजरंग जोशी, हीरा लाल जोशी, नेमचंद, हरि जांगिड़, बाबूलाल, नन्दलाल, बनवारीलाल, किशनलाल, रामनिवास पारीक, इन्द्रचंद तिवारी, भवानी सिंह, विशाल सिंह, श्याम पारीक, बोनी पारीक, भरत मिश्र, अजीत कंदोई, सूर्य लढ़िया सहित बड़ी संख्या भक्त मौजूद रहे। कथा दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक बाबा श्री हरिहर गोशाला प्रांगण में आयोजित होगी।

स्कॉर्पियो व टैंकर में भिड़ंत

चिड़ावा बार एसोशिएशन के पूर्व अध्यक्ष व उनकी मां की मौत

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। सड़क हादसे में स्कॉर्पियो सवार चिड़ावा बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और उनकी मां की मौत हो गई। सोमवार तड़के करीब 3 बजे दिल्ली-बीकानेर हाईवे पर दूध के टैंकर से स्कॉर्पियो की टक्कर हो गई थी जिसमें एसयूवी के परखच्चे उड़ गए थे। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष की बॉडी गाड़ी में बुरी तरह फंस गई थी। उनकी मां घायल थीं। उन्हें फौरन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। हादसा राजलदेसर इलाके में हुआ है। राजलदेसर थाने के एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि पिलानी के कुलड़िया का बास गांव निवासी उर्मिला देवी (65) को कैंसर था। अमित हर पंद्रह दिन में मां के इलाज के लिए बीकानेर ले जाते थे। सोमवार को भी अपनी मां को डॉक्टर को दिखाने के लिए अमित कुमार (43) स्कॉर्पियों से बीकानेर जा रहे थे। राजलदेसर इलाके के राजाणा जोहड़ के पास सामने से आ रहे दूध के टैंकर और स्कॉर्पियों की टक्कर हो गई। एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि हादसे में स्कॉर्पियो का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अमित की मौके पर ही मौत हो गई। उर्मिला देवी ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कड़ी मशक्कत के बाद अमित कुमार का शव स्कॉर्पियो से बाहर निकाला गया।एएसआई ने बताया कि हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क किनारे करवाया। दोनों शवों को राजलदेसर के अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।अमित के पिता हवासिंह का पहले ही निधन हो चुका है। अमित के दो बेटे हैं। अमित और उनकी मां के निधन के कारण चिड़ावा कोर्ट में सोमवार को वकील काम (न्यायिक कार्य) नहीं करेंगे।

तेरापंथ सभा भवन में संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार सुजानगढ़ तेरापंथ महिला मंडल की ओर से एक बूंद एक सागर' जल संरक्षण कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ सभा भवन में शासनश्री सुप्रभा के सानिध्य में किया गया। नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला को मंगलमय बनाने के लिए मंडल की बहनों की ओर से मंगलाचरण प्रेरणा गीत से किया गया। अध्यक्ष राजकुमारी भूतोड़िया ने कार्यक्रम में आए ब्रह्माकुमारी सुप्रभा दीदी, बसंती दीदी का स्वागत करते हुए कहा कि जल संरक्षण आज के युग में अति आवश्यक है। मुख्य वक्ता के रूप में ब्रह्माकुमारी से आई बहन बसंती ने जल संरक्षण हमें कैसे करना चाहिए, इसके बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। ब्रह्माकुमारीज केंद्र संचालित बीके सुप्रभा ने जल संरक्षण के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साध्वी मुकुल यशा ने सुमधुर गीतिका से बताया कि हम संयम करेंगे तो हमारे लिए संरक्षण करना आसान हो जाएगा। साध्वीश्री मनीषाश्री ने थोड़े ही शब्दों में ही जल संरक्षण का महत्व बताया। इस अवसर पर केसरी सिंह मालू ने बीके बालकृष्ण का साहित्य प्रदान कर स्वागत किया। महिला मंडल अध्यक्ष राजकुमारी भूतोड़िया, उपाध्यक्ष सरिता पिंचा, सुमन चौरडिया, विजया रामपुरिया, कमलेश सिंघी, कोषाध्यक्ष सज्जन देवी बोकडिया आदि मौजूद रहे। संचालन डॉक्टर पूजा फूलफगर ने किया।

सड़क तोड़कर लगा दिए बैरिकेड्स, वाहन चालक परेशान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सालासर रोड़ स्थित शक्ति माता मंदिर से प्रगति नगर की ओर जाने वाले रास्ते पर मुख्य सड़क को तोड़कर उस पर बैरीकेट्स लगाए जाने के कारण आधी सड़क ब्लॉक हो गई है, जिसके कारण एक तरफा सड़क मार्ग से वाहनों को आवागमन करना पड़ रहा है। लेकिन रात के समय में वाहन चालकों को अत्यधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विगत दिवस को जब आधी सड़क अचानक ब्लॉक की गई तो वाहन चालकों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। और तो और एक कार अचानक रास्ता बाधित होने के कारण साईड में लेने के चक्कर में दीवार से जा टकराई। हालांकि प्रगति नगर के नाले को चापटिया तलाई से कनेक्ट करने के लिए यह सड़क तोड़ी गई थी, लेकिन बीच में अचानक आपणी योजना की पाईप लाईन टूटने के कारण काम बढ़ गया। लोगों ने तुरंत प्रभाव से इस मुख्य सड़क को सही करवाए जाने की मांग प्रशासन से की है।

एक्सरे मशीन दुरूस्त करवाने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच ने चिकित्सा विभाग के निदेशक को एक ज्ञापन सौंपकर सुजानगढ़ के बगड़िया उप जिला अस्पताल में खराब पड़ी एक्से मशीन का सीआर और डीआर सिस्टम बदले जाने की मांग की है। ज्ञापन में दाधीच ने बताया है कि बगड़िया अस्पताल की ओपीडी रोजाना लगभग 1 हजार के करीब है और यहां पर एक्स रे मशीन का खराब होना मरीजों के लिए काफी दिक्कत की बात है। इसलिए इस एक्स रे मशीन का सीआर, डीआर सिस्टम दूसरा लगवाकर मशीन को ठीक करवाया जाए, ताकि जनता को राहत मिल सके।

कब्रिस्तान की घास में लगी आग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। ठरड़ा रोड़ स्थित कब्रिस्तान में लगे घास में दोपहर को अचानक आग लग गई। आग को लोगों ने बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग काबू में नहीं आई। लोगों ने दमकल को बुलवाया। दमकल की गाड़ी ने कई फेरे लगाकर आग पर काबू पाया। फायरब्रिगेड के चालक साजिद, फायरमेन संदीप, भीमाराम जाट ने आग पर पानी डालने का काम किया। दूसरी ओर मौके पर चांद खान, अशफाक खान आदि ने आग बुझाने में सहयोग किया। इस दौरान सेजू खां, ईकबाल खां, नूर मोहम्मद पहाड़ियान आदि लोग भी मौके पर पहुंचे। कब्रिस्तान में लगा घास काफी दूर तक जल गया।

41 दिनों की पंचधूणी तपस्या शुरू

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती ठरड़ा में स्थित पाबूजी महाराज मंदिर में बाबा गणेशनाथ महाराज ने पंच धूणी तपस्या शुरू कर दी है, जो 41 दिनों तक चलेगी। इस बार यह तपस्या 12वें साल में प्रवेश कर गई है। बाबा गणेशनाथ ने बताया कि दोपहर में रोज 11 से 2 बजे तक पंचधूणी जलाकर हठयोग तपस्या देश में शांति, खुशहाली के लिए की जा रही है। इस तपस्या का समापन 7 जून को होगा, जिस पर जागरण व भण्डारा प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बाबा गणेशनाथ ने कहा कि विश्व कल्याण इसका मुख्य उद्देश्य है। तपस्या के दौरान अनेक श्रद्धालु धूणी की फेरी भी लगाने के लिए आ रहे हैं। वहीं आयोजन के दौरान भवानीसिंह, विकास बागड़ा, डोनीसिंह, धर्मसिंह, केशु सैन, ठाकुर कुंभाराम, कालूसिंह, भोपालसिंह, बिजूसिंह आदि ने सेवा कार्यों में लगे हुए हैं।

सरपंच बनने पर महेश कुमार का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सहसमल सांसी समाज सुधार युवा समिति की बैठक सुजानगढ़ स्थित सांसी बस्ती में हुई। जिसमें सर्वसम्मति से बीकानेर क्षेत्र के सरपंच पद का कार्यभार महेश कुमार सांसी को दिया गया। आपको बता दें कि हाल ही में 12 जनवरी को सरपंच पद पर शंकर लाल लोहा और उप सरपंच पद पर मदनलाल सुजानगढ़ को निर्वाचित किया था परंतु व्यक्तिगत व सामाजिक कारणों के चलते इन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया। युवा सरपंच महेश कुमार सांसी का समाज के लोगों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया और डीजे के साथ रैली भी निकाली। इस दौरान पूर्व सरपंच शंकर लाल लोहा, मारवाड़ सरपंच नेमीचंद सांसी, मारवाड़ उप सरपंच मालाराम, सालासर प्रधान हरिराम, बोबासर प्रधान बबलू, लोड़सर प्रधान प्रेमचंद, मलसीसर प्रधान जगदीश, बड़ाबर प्रधान जगदीश, रविंद्र, मोहनलाल, धर्मचंद, पवन कुमार, अजय, अरुण, ज्ञानचंद, शंकरलाल, रुपाराम, राजूराम, सोनू, मूलचंद, मुकेश, सीताराम, वीरूराम, हरिराम, जेपी, कमल, विनोद सहित अनेक समाजबन्धु मौजूद रहे।

भारत भूमि नमन यात्रा का सूरत में स्वागत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अखिल भारतीय सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर स्वामी ओमदास महाराज की प्रेरणा से पूरे भारत में निकाली जा रही भारत भूमि नमन यात्रा का गुजरात के सूरत पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। सामाजिक समानता, समरसता, सद्भावना, शिक्षा का संदेश लेकर राष्ट्र व सनातन की एकता व मजबूती के लिए पत्रकार किशोर दास स्वामी की ओर से निकाली जा रही यात्रा 25 वें प्रदेश में प्रवेश करते हुए गुजरात पहुंची। सूरत पहुंचने पर धन्नावंशी बैरागी स्वामी समाज, प्रजापति समाज, जाट समाज, श्री श्री बालाजी भक्त मंडल, तूनवाल परिवार सहित अन्य प्रवासी संगठनों ने भारत भूमि नमन यात्रा पर चल रहे किशोर दास स्वामी का माला, शॉल, साफा व प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर रामनिवास पूनिया राजगढ़, देवी दत्त स्वामी कसूम्बी, धर्मेंद्र तूनवाल सुजानगढ़, सांवरमल स्वामी बीदासर, जीवराज स्वामी दुजार, रायसिंह स्वामी पांडूसर, रतनलाल स्वामी सहित अनेक लोग मौजूद रहे। किशोर दास स्वामी ने बताया कि अब तक 56 दिनों की यात्रा में मध्य भारत, पूर्वोत्तर, दक्षिण भारत व पश्चिम क्षेत्र के 9 ज्योतिर्लिंग, 18 शक्तिपीठ, दो धाम, दो शंकराचार्य पीठ सहित 25 राज्यों के 85 प्रमुख धार्मिक व सांस्कृतिक स्थलों पर जाकर वहां की पवित्र रज व नदियों के जल को इकट्ठा किया जा चुका है। स्वामी ने बताया कि भारत के उत्तरी क्षेत्र की यात्रा भी आगामी दिनों में पूरी कर 15 जून 2025 तक भारत भूमि नमन यात्रा का पुनः शेखावाटी व सुजलांचल में आगमन होगा।

डॉ. सतीश पूनिया के पुत्र महीप के आशीर्वाद समारोह में उमड़ा जनसैलाब

एक बेटी के स्वागत से समाज को दिया नया संदेश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कभी-कभी कोई घटना सिर्फ निजी उत्सव नहीं रहती, वह एक सामाजिक संदेश बन जाती है। भारतीय राजनीति के संयमित, संघर्षशील और संवेदनशील चेहरे डॉ. सतीश पूनिया का 20 अप्रैल को विवाह संस्कार भी ऐसा ही एक अवसर बन गया। विवाह के बाद जयपुर में आयोजित उनके आशीर्वाद समारोह में ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि सड़कें छोटी पड़ गईं और तीन किलोमीटर तक ट्रैफिक थम गया। लेकिन इस भीड़ का असली आकर्षण केवल समारोह नहीं था, बल्कि वह भावना थी जिसे डॉ. पूनिया ने विवाह के दिन शब्दों में ढाला, आज मेरे घर में पुत्र वधु के रूप मे सुपुत्री आई है। यह वाक्य केवल एक व्यक्तिगत खुशी का इज़हार नहीं था, यह एक पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक दिशा का उद्घोष था।

संघर्ष से सेवा तक का सफर

डॉ. सतीश पूनिया का राजनीतिक जीवन संघर्षों की कठिन सीढ़ियां चढ़ते हुए सेवा के शिखर तक पहुंचने की कहानी है। छात्र राजनीति से अपनी यात्रा शुरू करते हुए उन्होंने भाजपा संगठन में अपनी मेहनत और निष्ठा से एक अमिट छाप छोड़ी। हर संकट में कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाना, हर कठिनाई में आमजन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहना, यही उनकी पहचान रही है। आज भी वे सत्ता के शिखर पर रहते हुए भी जमीनी हकीकत से जुड़े हुए हैं,

बेटी को दिया सम्मान, समाज को दी नई दिशा

जब डॉ. पूनिया ने विवाह के दिन अपनी पुत्र वधु का परिचय 'बेटी के रूप में दिया, तो यह समाज को बेटी सम्मान के प्रति जागरूक करने वाला एक मजबूत संदेश था। जहां आज भी कई स्थानों पर बेटियों को बोझ समझा जाता है, वहीं एक सार्वजनिक मंच से ऐसा सन्देश देना सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक मजबूत पहल मानी जा रही है। उनके इस छोटे वाक्य ने अनगिनत दिलों को छुआ और यह साबित किया कि एक सच्चा नेता वह होता है जो हर अवसर को समाज को दिशा देने का माध्यम बना सके।

वीआईपी से खास, आम अवाम तक हुए शरीक

समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर,राजस्थान के राज्यपाल , केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर,केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, कृष्णपाल गुर्जर के साथ साथ राजस्थान और हरियाणा की भाजपा सरकारों के अधिकांश मंत्री शामिल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेन्द्र राठोड ,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जुली , इसके साथ ही राजस्थान में संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम, तेलंगाना भाजपा के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष मदन राठौड़ आदि भी मौजूद रहे। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा आदि ने भी वर-वधू को आशीर्वाद दिया और विवाह समारोह में भाग लिया। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, किशनगढ़ के विधायक डॉ. विकास चौधरी आदि ने भी विशेष तौर पर भाग लिया।

हरियाणा में सफलता की कहानी

डॉ. सतीश पूनिया का सांगठनिक कौशल राजस्थान तक ही सीमित नहीं रहा। हरियाणा में पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को संगठित किया, स्थानीय मुद्दों को गंभीरता से लिया और कार्यकर्ताओं को एकजुट कर पार्टी को विजयी बनाया। उनके नेतृत्व में हरियाणा में भाजपा का आधार और मजबूत हुआ, और यह सफलता केवल रणनीति से नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं से बनाए गए विश्वास के रिश्ते से संभव हुई।

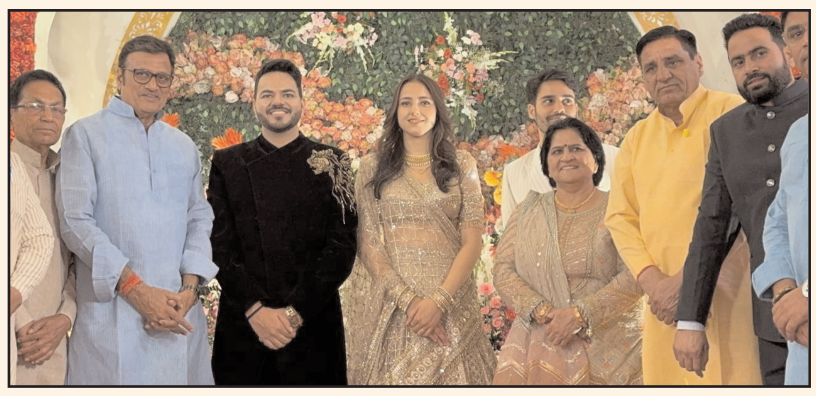

जब समाज बन गया गवाह

आशीर्वाद समारोह में उमड़ी भीड़ यह स्पष्ट संदेश दे रही थी कि यह केवल एक नेता का निजी आयोजन नहीं था, यह समाज के आशीर्वाद का महोत्सव था। केंद्रीय मंत्रियों से लेकर एमएलए तक – हर कोई वहां था। सिर्फ औपचारिक उपस्थिति नहीं, बल्कि दिल से जुड़ाव और आत्मीयता लिए हुए। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक, महिलाओं से लेकर बच्चे तक – हर वर्ग के लोग इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने पहुंचे थे।

अनुशासन, सादगी और स्नेह का रहा विशाल आयोजन

तीन किलोमीटर लंबी भीड़, हजारों वाहनों का जमावड़ा, सैकड़ों वीआईपी अतिथि, फिर भी समारोह में अद्भुत अनुशासन और गरिमा देखने को मिली। स्वयंसेवकों ने जिस समर्पण और कुशलता से भीड़ का प्रबंधन किया, वह डॉ. पूनिया की नेतृत्व क्षमता और सांगठनिक कुशलता का जीवंत प्रमाण था। हर व्यक्ति को सम्मान मिला, हर कार्यकर्ता को जिम्मेदारी मिली, और हर व्यवस्था इतनी सहज थी कि इतने बड़े आयोजन के बावजूद किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई।

भविष्य की दिखी एक सुखद झलक

डॉ. सतीश पूनिया का यह समारोह केवल उनके निजी जीवन की एक खुशी का नहीं था, यह भारतीय राजनीति में उनकी भविष्य की यात्रा का एक संकेत भी था। जिस तरह हजारों लोग अपने दिल से उनके साथ खड़े दिखे, जिस तरह शीर्ष नेता उनके लिए सादगी से आए, और जिस तरह समाज ने उन्हें अपने नेता के रूप में अपनाया, वह स्पष्ट करता है कि डॉ. पूनिया केवल एक प्रदेश तक सीमित नेता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का भविष्य हैं। उनकी मेहनत, नम्रता, सेवा भावना और सामाजिक दृष्टि, आने वाले समय में उन्हें और भी ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

विनम्रता, जो हृदय जीत ले

बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के बावजूद डॉ. पूनिया के व्यवहार में अद्भुत सरलता है। चाहे आम कार्यकर्ता हो या वरिष्ठ नेता, हर किसी से वे वही आत्मीयता से मिलते हैं। आशीर्वाद समारोह में भी जब उन्होंने हजारों लोगों के बीच से चलते हुए हर व्यक्ति का व्यक्तिगत अभिवादन किया, तो लोगों की आंखों में सिर्फ सम्मान नहीं, स्नेह भी झलक रहा था। उनकी मुस्कान, हर किसी को सुनने का धैर्य और बिना दिखावे के अपनापन – यही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है।

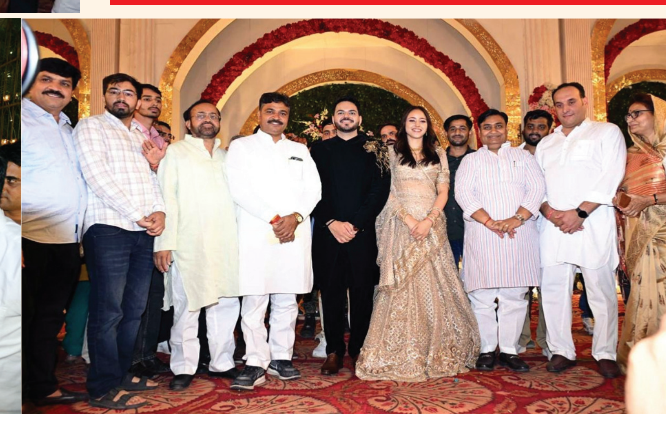

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं पंकज शर्मा राम मन्दिर के पास पुरानी सडक चूरू राजस्थान से प्रकाशित।
सम्पादक : रामेश्वरलाल जाट ी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।